दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

मंगलवार 28 अक्टूबर 2025
सूर्योदय प्रात: 06:30 बजे
सूर्यास्त सांय 17: 49 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 बिहार : नया मोड़ या पुरानी राह?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 011 | गाजियाबाद, मंगलवार 28 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

बुधवार को राहुल की बिहार में पहली चुनावी सभा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 29 अक्टूबर को बिहार में मुजफ्फरपुर के सकरा विधानसभा क्षेत्र और दरभंगा में महागठबंधन उम्मीदवों के समर्थन में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। कांग्रेस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इन रैलियों में श्री गांधी के साथ बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तथा महा गठबंधन द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए घोषित उम्मीदवार तेजस्वी यादव भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि श्री गांधी का विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए बिहार का में यह पहला दौरा है। श्री गांधी इस दौरान सकरा सुरक्षित विधानसभा के प्रत्याशी उमेश राम के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे और फिर दरभंगा में राजद और महागठबंधन के उम्मीदवार की सभा को संबोधित करेंगे। गौरतलब है कांग्रेस नेता ने बिहार में कुछ माह पहले 16 दिनों तक वोटर अधिकार के लिए 1300 किमी की यात्रा की थी।

सेना प्रमुख सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने शौर्य दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और कई अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने सोमवार सुबह शौर्य दिवस पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सेना प्रमुख के साथ सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह और एकीकृत रक्षा कमान के प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित तथा अन्य अधिकारियों ने भी श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि सेना के प्रतिष्ठानों में आज देश भर में इन्फेंट्री डे यानी शौर्य दिवस मनाया जा रहा है। वर्ष 1947 में पाकिश्तानी हमलावरों से बचाव के लिए श्रीनगर एयरफील्ड पर सिख रेजिमेंट की पहली बटालियन के उतरने की याद में आज के दिन को पैदल सेना दिवस यानी इन्फेंट्री के रूप में मनाया जाता है। यह समारोह मातृ भूमि की रक्षा के लिये "सर्वोच्च बलिदान" देने वाले इन्फेंट्री के शहीदों को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है।

राधाकृष्णन कल तीन दिन की यात्रा पर तमिलनाडु जाएंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन मंगलवार को तमिलनाडु की तीन दिन की यात्रा पर जाएंगे। उपराष्ट्रपति का पद संभालने के बाद उनका अपने गृह राज्य तमिलनाडु का यह पहला दौरा होगा। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने सोमवार को बताया कि इस दौरान उपराष्ट्रपति कोयंबटूर, तिरुपुर, मदुरै और रामनाथपुरम में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। उपराष्ट्रपति अभी सेशेल्स के आधिकारिक दौरे पर हैं जहां उन्होंने डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के सेशेल्स के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। तमिलनाडु यात्रा के पहले चरण में वह कल कोयंबटूर पहुँचेंगे। कोयंबटूर एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा। उपराष्ट्रपति को कोयंबटूर सिटीजन फोरम द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

मान ने राष्ट्रपति को 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के लिए किया आमंत्रित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को श्री आनंदपुर साहिब में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक बैठक में श्री मान ने भारत के राष्ट्रपति से इस पावन अवसर पर आयोजित होने वाले विशाल कार्यक्रमों में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों का विश्तृत आधिकारिक कार्यक्रम भारत के राष्ट्रपति के साथ साझा किया गया है और उनसे अनुरोध किया गया है कि वे अपनी सुविधानुसार इन कार्यक्रमों में शामिल हों।

एसआईआर का दूसरा चरण में मंगलवार से

12 राज्यों, केन्द्रशासित प्रदेशों की मतदाता सूचियां होंगी तैयार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी समेत 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम मंगलवार से शुरू करने की घोषणा की है जो सात फरवरी तक संपन्न कर लिया जायेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को यहां एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में एसआईआर के दूसरे चरण के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए विश्वास जताया कि इस संवैधानिक कार्य में आयोग को सभी राज्यों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। श्री ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त डॉ सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में दूसरे चरण में एसआईआर कराया जाना है, उनमें अंडमान-निकोबार, चंडीगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इन राज्यों की मतदाता सूचियों में आज आधी रात के बाद तब तक कोई बदलाव नहीं किया जायेगा जब तक कि एसआईआर का काम संपन्न नहीं हो जाता। इसके साथ ही इस कार्य से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले आयोग की अनुमति से ही किये जा सकेंगे।

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार एसआईआर के दूसरे चरण में तीन नवंबर तक फार्मों की छपाई और कर्मचारियों का प्रशिक्षण होगा, चार नवंबर से चार दिसंबर तक बूथ श्तरीय अधिकारियों (बीएलओ), प्रशासन के वालंटियर और राजनीतक दलों के एजेंटों के माध्यम से घर-घर जाकर छपे हुए निर्वाचक गणना फार्मों का वितरण और उन्हें वापस जुटाकर मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के पास जमा करवाने की प्रक्रिया चलेगी। कार्यक्रम के अनुसार गणना फार्मों की प्राप्ति के आधार पर संबंधित राज्यों और केन्द्र शासित क्षेत्रों की नयी मतदाता सूची का मसौदा नौ दिसंबर को प्रकाशित कर दिया जायेगा और उसी दिन से आठ जनवरी 2026 तक उन पर दावे और आपत्तियां प्राप्त की जायेंगी। नौ से 31 जनवरी तक नोटिस और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जायेगी और पक्की मतदाता सूची सात फरवरी को जारी कर दी जायेगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने एसआईआर के पहले चरण में पूरे उत्साह से भाग लेने के लिए बिहार के साढ़े सात करोड़ मतदाताओं की पूर्ण भागीदारी को लेकर उनके प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि बिहार की पक्की सूची पर दावे और आपत्तियां शून्य के बराबर हैं, जो दर्शाती हैं कि राज्य की मतदाता सूची 'अधिकतम' रूप से शुद्ध है। उन्होंने बताया कि बिहार के एसआईआर के अनुभवों के बाद दूसरे चरण के एसआईआर में मतदाताओं को मतदाता गणना फॉर्म के साथ विनिर्दिष्ट 11 दश्तावेजों में से किसी दश्तावेज को जमा कराने की जरूरत नहीं है लेकिन सत्यापन के दौर में कागजात मांगे जा सकते हैं। उन्होंने इन राज्यों के मतदाताओं को कानून के अनुसार केवल एक ही 'मतदाता गणना फॉर्म ' जमा कराने की सलाह देते हुए कहा, ' हो सकता है कि किसी का नाम दो क्षेत्रों की सूची में रह गया हो और ऐसे में उसे दो जगह से यह फॉर्म प्राप्त हो सकता है लेकिन यदि वह मानसिक रूप से कानूनी अपराध की इच्छा नहीं रखता हो तो, उसे मात्र एक ही गणना फार्म जमा कराना चाहिए।'

जंगलराज पर पलटवार, कानून व्यवस्था को मजबूत करने का होगा वादा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन सामाजिक न्याय के एजेंडे के जरिए एनडीए का मुकाबला करने की तैयारी में है। अपने चुनावी घोषणा पत्र में महागठबंधन युवा, महिलाओं और कानून व्यवस्था के साथ समाज के हर वर्ग के लिए वादे कर सकता है। महागठबंधन मंगलवार को पटना में चुनाव घोषणा पत्र जारी करेगा।

घोषणा पत्र में महागठबंधन जंगलराज के मुद्दे पर एनडीए को घेरने की कोशिश करेगा। इसके लिए वह मौजूदा गुंडाराज को जोर-शोर से उठाने की तैयारी कर रहा है। इसमें व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या समेत अन्य हाई-प्रोफाइल मामलों का जिक्र किया जाएगा, ताकि एनडीए सरकार को घेरा जा सके। इसके अलावा, कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पुलिस बल का अराजनीतिकरण, थाना इंचार्जों की नियुक्ति के लिए निष्पक्ष प्रक्रिया और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के वादे कर सकता है।

इसका उद्देश्य कानून व्यवस्था पर मतदाताओं, खासकर महिलाओं का भरोसा जीतना होगा। रोजगार का मुद्दा उठाएगा घोषणा पत्र में स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मैनपावर इंटेंसिव सेक्टर को विकसित करके रोजगार के अवसर बढ़ाने और पलायन रोकने के वादे भी शामिल होंगे। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव लगातार रोजगार के मुद्दे को उठा रहे हैं, इसलिए यह विषय भी प्रमुख रहेगा।

सामाजिक न्याय पर केंद्रित महागठबंधन का घोषणा पत्र सामाजिक न्याय पर केंद्रित होगा। इससे पहले वह अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) के लिए 'न्याय संकल्प पत्र' जारी कर चुका है, जिसमें ईबीसी अत्याचार रोकथाम कानून बनाने, स्थानीय चुनावों में आरक्षण और 50 फीसदी आरक्षण सीमा खत्म करने जैसे वादे शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सीआईसी के लिये चुने गये लोगों के नामों का खुलासा करने संबंधी आदेश देने से इनकार किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि वह केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) में नियुक्ति के लिये चुने गये लोगों के नामों का सार्वजनिक रूप से खुलासा करने के लिये केन्द्र सरकार को निर्देश नहीं देगा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि उसे न्यायालय द्वारा पूर्व में निर्धारित पारदर्शिता मानदंडों के केन्द्र की ओर से पालन पर "संदेह का कोई कारण नहीं" दिखता।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ आरटीआई कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी जिसका प्रतिनिधित्व अधिवक्ता प्रशांत भूषण कर रहे थे। याचिका में सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत केंद्रीय और राज्य सूचना आयोगों में अधिक पारदर्शिता और समय पर नियुक्तियों की मांग की गयी थी।

श्री भूषण ने तर्क दिया कि जांच समिति के सदस्यों और आवेदकों की सूची का खुलासा करने के उच्चतम न्यायालय के पूर्व निर्देशों के बावजूद केंद्र सरकार इसका पालन करने में विफल रही है। उन्होंने कहा, "उन्होंने सीआईसी के लिए चुने गए उम्मीदवारों के नाम या चयन मानदंड जारी नहीं किए हैं। लोगों को यह जानने का अधिकार है कि किस पर विचार किया जा रहा है।"

उन्होंने आरोप लगाया कि आरटीआई व्यवस्था में कोई अनुभव न रखने वाले कुछ लोगों को आयोग में "मनमाने "तरीके से" भेजा गया है। उन्होंने एक पत्रकार की नियुक्ति का उदाहरण दिया जिनकी नियुक्ति कथित तौर पर सरकार के पक्ष में उनके लेखों के कारण की गई थी।

केंद्र की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज ने अदालत को बताया कि जांच समिति ने अपना काम पूरा कर लिया है और प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री वाली चयन समिति दो से तीन हफ़्तों के भीतर नियुक्तियों को अंतिम रूप दे देगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता की भावनाओं को स्वीकार किया, लेकिन यह भी कहा कि प्रक्रिया लगभग पूरी होने वाली है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, "आप सही कह रहे हैं कि देरी हो रही है, लेकिन वे थोड़े समय की माँग कर रहे हैं। सही समय आने दीजिए।" श्री भूषण ने नियुक्तियों से पहले जानकारी सार्वजनिक करने पर ज़ोर देते हुए कहा, "नियुक्तियों से पहले पारदर्शिता होनी चाहिए। , उसके बाद नहीं।" इस बीच अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल नटराज ने तर्क दिया कि अयोग्य नियुक्तियों के संबंध में कोई भी शिकायत प्रक्रिया पूरी होने के बाद उठाई जा सकती है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा " चयन के हर चरण में निरंतर न्यायिक निगरानी प्रशासनिक कामकाज को पंगु बना सकती है। अगर हम हर कदम पर न्यायिक जाँच शुरू कर देंगे, तो चयन ही नहीं होगा। पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी और जानने के अधिकार से समझौता नहीं किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए 6 आधुनिक बीज प्रोसेसिंग प्लांट लॉन्च किए

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार पूसा परिसर, नई दिल्ली में राष्ट्रीय बीज निगम (एनएससी) के नए अत्याधुनिक सब्जी एवं फूल बीज प्रोसेसिंग प्लांट और पैकिंग यूनिट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने बरेली, धारवाड़, हसन, सूरतगढ़ और रायचूर स्थित एनएससी के पांच बीज प्रोसेसिंग प्लांट्स का वर्चुअल उद्घाटन भी किया।

पूसा, नई दिल्ली स्थित बीज भवन में स्थापित सब्जी बीज प्रोसेसिंग प्लांट की क्षमता 1 टन प्रति घंटा है, जबकि एनएससी के अन्य पांचों प्लांट्स की क्षमता 4 टन प्रति घंटा रखी गई है। ये प्लांट अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित हैं, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और बीज उत्पादन की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने किसानों के लिए 'बीज प्रबंधन 2.0' प्रणाली और ऑनलाइन बीज बुकिंग प्लेटफॉर्म का भी शुभारंभ किया। इस प्रणाली के माध्यम से किसान अब अपनी बीज आवश्यकताओं की बुकिंग ऑनलाइन कर सकेंगे, जिससे पारदर्शिता और उपलब्धता दोनों में सुधार होगा। छोटे किसानों तक अच्छी क्वॉलिटी के बीज पहुंचना जरूरी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन प्लांट्स से किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की सहज उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। ये नए प्लांट किसानों की जरूरतें पूरी करेंगे, जो कि बहुत महत्वपूर्ण है।

पिछले दिनों चलाए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान सबसे ज्यादा शिकायतें नकली और घटिया बीज के संबंध में आई थी, ऐसे में गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध होना आवश्यक है, जिसमें एनएससी की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार अपने श्तर पर इस मामले में कड़ी कार्रवाई कर रही है।

आत्मनिर्भरता केवल नारा नहीं बल्कि रक्षा क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने का माध्यम: राजनाथ

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भरता के विचार को देश की प्राचीन परंपरा का आधुनिक रूप करार देते हुए कहा है कि यह सरकार के लिए केवल नारा भर नहीं बल्कि रक्षा क्षेत्र की मौजूदा और भविष्य की चुनौतियों से निपटने का माध्यम है। श्री सिंह ने सोमवार को यहां सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्यूफैक्चरर (एसआईडीएम) के वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन समय में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था और आत्मनिर्भरता का विचार इसी का आधुनिक रूप है।

उन्होंने कहा, "आत्मनिर्भरता का जो विचार है, वह हमारी सरकार के लिए सिर्फ एक स्लोगन भर नहीं है, बल्कि भारत की ही पुरानी परंपरा का आधुनिक रूप है। इतिहास में एक समय ऐसा भी था, जब हमारा लगभग हर गांव अपने आप में इंडस्ट्री था। भारत सोने की चिड़िया इसलिए कहलाता था क्योंकि हम अपनी जरूरतों के लिए बाहर की ओर नहीं देखते थे उसे अपनी ही जमीन पर पूरा करते थे।"

रक्षा मंत्री ने कहा कि विनिर्माण और उच्च प्रौद्योगिकी में स्वदेशीकरण को प्राथमिकता देकर सरकार ने उसी परम्परा को आधुनिक रूप देने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब निजी क्षेत्र के लिए भी दरवाजे खोल दिये हैं और इसी भरोसे का परिणाम है कि आज देश सेमी कंडक्टर फेब्रिकेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भी मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''आज देशभर में लगभग 19 फेब्रिकेशन संयंत्र स्थापित हो रहे हैं। मोबाइल फोन विनिर्माण में भी, जहां कभी हम केवल आयातक थे वहां हम अब निर्यातक बन चुके हैं।" प्रत्येक क्षेत्र में अच्छे परिणाम मिल रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा क्षेत्र सरकार के लिए केवल आर्थिक वृद्धि नहीं बल्कि राष्ट्रीय संप्रभुता का भी आधार है। उन्होंने कहा, ''हमारे लिए रक्षा क्षेत्र केवल आर्थिक वृद्धि का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संप्रभुता का आधार है। और जब संप्रभुता की बात आती है, तो यह सिर्फ सरकार की नहीं, बल्कि हर नागरिक, हर संगठन और हर उद्योग की सामूहिक जिम्मेदारी बन जाती है। यह बात आज, ऑपरेशन सिंदूर के बाद और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है।"

'विकसित भारत' के निर्माण में भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल की बड़ी भूमिका: मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने निवेश और विकास के लिए प्रभावशाली पुलिस व्यवस्था के महत्व पर बल देते हुए उम्मीद जताई है कि युवा अधिकारियों के नेतृत्व में भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल 'विकसित भारत' के निर्माण में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोमवार को यहां बताया कि भारतीय पुलिस सेवा के 77 आरआर (2024 बैच) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने राष्ट्रपति भवन में श्रीमती मुर्मु से मुलाकात की।

श्रीमती मुर्मु ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था है। अपनी आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने और उसमें तेजी लाने के लिए सार्वजनिक और निजी निवेश की इस गति को बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी राज्य या क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए कानून-व्यवस्था आवश्यक पूर्व-शर्त है।

उन्होंने कहा, 'निवेश और विकास को बढ़ावा देने में प्रभावी पुलिसिंग आर्थिक प्रोत्साहन जितनी ही महत्वपूर्ण है। युवा अधिकारियों के नेतृत्व में एक भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल 'विकसित भारत' के निर्माण में एक बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा'

राष्ट्रपति ने कहा कि युवा अधिकारी शक्ति और अधिकार वाले पदों पर आसीन होते हैं। उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि अधिकार के साथ जवाबदेही भी आती है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यों और आचरण की हमेशा सार्वजनिक जांच होगी। ' उन्हें यह याद रखना चाहिए कि वे, जो नैतिक है उसे चुनें, न कि जो सुविधाजनक है उसे। आपात स्थितियों से निपटने के दौरान भी न्यायसंगत और निष्पक्ष प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए। '

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि हालांकि अधिकारियों को कानूनों और प्रणालियों के माध्यम से बहुत सारी शक्तियां प्राप्त होती हैं, लेकिन वाश्तविक अधिकार उनकी व्यक्तिगत और व्यावसायिक ईमानदारी से आएगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नैतिक अधिकार उन्हें सभी का सम्मान और विश्वास दिलाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस अधिकारी लगभग हर समय अपराध और अपराधियों से निपटता है। इससे उन पर संवेदनहीनता का प्रभाव पड़ सकता है और उनकी मानवीयता कुंद हो सकती है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि प्रभावशाली अधिकारी बनने की प्रक्रिया में उन्हें अपने भीतर करुणा के मूल को अक्षुण्ण रखने का विशेष प्रयास करना चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि प्रौद्योगिकी ने पुलिसिंग के क्षेत्र को काफ़ी हद तक बदल दिया है। लगभग दस साल पहले 'डिजिटल गिरफ़्तारी' अभिव्यक्ति को समझना असंभव होता। अभी यह नागरिकों के लिए सबसे भयानक ख़तरों में से एक है। भारत में सबसे बड़ा और सबसे तेज़ी से बढ़ता एआई उपयोगकर्ता आधार है। इसका असर पुलिसिंग पर भी पड़ने वाला है।

उन्होंने कहा कि आईपीएस अधिकारियों को एआई सहित नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने में उन लोगों की तुलना में कई कदम आगे रहना चाहिए जो इन प्रौद्योगिकियों का इश्तेमाल ग़लत इरादे से करेंगे।

पुलिस अधिकारी के नाम पर पैसा ऐंठने वाला पकड़ा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की व्हाट्सएप पर फर्जी प्रोफाइल व डिस्पले पिक्चर पर डीपी पर पर लगाकर जनता के लोगों से पैसा माँगने के सम्बन्ध में साइबर थाना साइबर सेल टीम ने दो शातिर नटवर लाल को गिरफ्तार किया है।अज्ञात व्यक्ति द्वारा भिन्न भिन्न मोबाइल नम्बरों से व्हाटसएप पर वरिष्ठग पुलिस अधिकारी की फर्जी प्रोफाइल व डिस्पले पिक्चर पर डीपी लगा कर पैसे माँगने के सम्बन्ध में निरीक्षक देवेन्द्र कुमार द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर साइबर क्राइम थाना पर मुकद्दमा पंजीकृत किया गया था उच्चाधिकारियों द्वारा साइबर अपराध व अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने एवं उक्त घटना के सफल अनावरण हेतु गठित टीम द्वारा तकनीकी संसाधनों का प्रयोग करते हुये अभिसूचना संकलन करके विवेचना अमल में लायी गयी । उक्त अभियोग की विवेचना के दौरान प्रकाश में आये गोविन्दव सिंह पुत्र मोहन सिंह निवासी नया पुरवा मूसा नगर थाना मूसा नगर कानपुर देहात ,गणपत सिंह उर्फ प्रीतू सिंह पुत्र फतेहबहादुर सिंह निवासी मनकी कला थाना बुरारा जिला हमीरपुर को थाना गाँधीपार्क क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है।

साइबर अपराध की घटनाओं से किया जागरूक

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। साइबर जागरुकता माह" के अन्तर्गत साइबर थाना टीम द्वारा धर्म समाज डिग्री कॉलेज में साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस मुख्यालय उ0प्र0 लखनऊ द्वारा चलाये जा रहे साइबर जागरुकता माह के अन्तर्गत थाना साइबर क्राइम टीम द्वारा अक्टूबर माह में साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। थाना साइबर क्राइम टीम द्वारा धर्म समाज डिग्री कालेज थाना क्षेत्र गांधी पार्क में साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें साइबर थाना टीम द्वारा सभी छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों को वर्तमान में होने वाले विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों की जानकारी को बैंक कस्टूमर को साझा करने के लिए भी प्रेरित किया गया, इस प्रकार वर्तमान समय मे होने वाली साइबर अपराध की घटनाओं से बचा जा सकता है। यदि साइबर अपराध की घटना हो जाती है तो इसकी सूचना तुरन्त साइबर अपराध हैल्पलाइन न0 1930 पर कॉल करें तथा इसकी शिकायत साइबर क्राइम पुलिस पर करने के बारें मे भी बताया गया। इस दौरान थाना साइबर क्राइम से उ0नि0 अमित कुमार, महिला उपनिरीक्षक कुसुमलता, हे.कां. चन्द्रप्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

लक्ष्य आपूर्ति तक प्रत्येक शुक्रवार को लगेगा पट्टा शिविर

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। उप जिलाधिकारी इगलास पारितोष मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सर्व साधारण को बताया है कि तहसील इगलास के विभिन्न ग्रामों के तालाबों को मत्स्य पालन के लिए आगामी 10 वर्षों के लिये पट्टा शिविर का आयोजन 31 अक्टूबर जुलाई 2025 एवं लक्ष्य पूर्ति तक प्रत्येक शुक्रवार को प्रातः 11 बजे से तहसील सभा कक्ष में तहसीलदार इगलास की अध्यक्षता में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पट्टा आवंटन 2500-5000 रूपये प्रति हेक्टेयर की दर से किया जाएगा। उन्होंने बताया तहसील इगलास के ग्राम अजाहरी, उत्तमपुर, ऊसरपुर तारापुर, कनौरा, कैमावली, कौआखेड़ा, खेड़यिा गुरूदेव, गहलऊ, गांधीग्राम, गुरसैना, गोरई, छैछऊ, जलालपुर डेटा, जवार, टमोटिया, ढ़ांटोली, तरसारा, तलेसरा, नगला कलुआ बेलौठ, नगला जगदेव, नगला मोहन, नयावांस, पांयदापुर, विचौला, वृषभानपुर, भैंया, मजूपुर सुबकरा, महदौरा, मांकरौल, मांती, पचहरा, मौहरैनी, मौहकमपुर, यकताजपुर, रजावल, लधौली, बक्सा गिंदौरा, विशनपुर, श्यामगढ़ी, सतलौनी खुर्द, सहारा खुर्द, सिकन्दरपुर, सीतापुर, सुभाषग्राम एवं हैबतपुर के तालाबों को मत्स्य पालन के लिए आवंटित किया जाएगा।

महिला ने लगाई फांसी हत्या में आरोप में पकड़ा पतिं

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। थाना क्वार्सी क्षेत्र के सुरेंद्र नगर में एक महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मायके पक्ष ने ससुरालियों पर दहेज हत्या करने का आरोप लगाते हुए पति समेत छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित पिता राजकुमार के अनुसार उन्होंने बेटी गुंजन का विवाह करीब सात माह पूर्व सुरेंद्र नगर निवासी शिवम शर्मा से किया था। आरोप है कि शादी में अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज दिया था। इसके बावजूद ससुरालीजन संतुष्ट नहीं थे और अतिरिक्त दहेज के रूप में बेटी का उत्पीड़न करते थे।

208 लोगों पर होगी एफआईआर

गुरुग्राम में 11 अवैध कॉलोनियां काटने वालों पर बड़े ऐक्शन की तैयारी

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम में 11 अवैध कॉलोनियां काटने के मामले में 208 जमीन मालिकों और प्रॉपर्टी डीलर्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश भेजी गई है। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के डीटीपीई कार्यालय ने इस सिलसिले में गुरुग्राम पुलिस को पत्र लिखा है। इसके साथ-साथ इन कॉलोनियों में खरीद-फरोख्त पर रोक लगाने के लिए तहसीलदार को भी पत्र लिखा गया है।

नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के डीटीपीई कार्यालय की कार्रवाई के मुताबिक 24 एकड़ में अवैध रूप से कॉलोनियों को काटा जा रहा था। ये कॉलोनियां फर्रुखनगर, धनकोट, जटौली, बोहड़ाकलां, बाघनकी और पटौदी में शामिल हैं। जांच में पाया गया कि इस जमीन के करीब 200 मालिक हैं। इसके अलावा आठ प्रॉपर्टी डीलर शामिल हैं। सबसे अधिक कॉलोनियां पटौदी और फर्रुखनगर ब्लॉक में काटी गई हैं। इन जमीन मालिकों और प्रॉपर्टी डीलर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर रिस्टोरेशन आदेश पारित किए गए। इसके बाद इन कॉलोनियों को मलबे में मिलाया गया। अब मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश की गई है। इन जमीन मालिकों और प्रॉपर्टी माफियाओं से तोड़फोड़ का खर्चा भी वसूल किया जाएगा। यदि यह खर्चे का भुगतान नहीं करते हैं तो इनके नाम पर दोपहिया वाहन, चार पहिया वाहन या जमीन

जायदाद से राशि को वसूल किया जाएगा। डीटीपीई अमित मधोलिया का कहना है कि 11 कॉलोनियां विकसित कर रहे लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश भेजी है। अवैध निर्माण करने वाले वेयर हाउस मालिकों और ढाबा संचालकों के खिलाफ भी केस दर्ज कराया जाएगा। अवैध कॉलोनियों में प्लॉट या मकान की खरीद-फरोख्त पर प्रतिबंध लगाने के लिए तहसीलदार को पत्र लिखा है। अवैध रूप से ढाबे और वेयर हाउस का निर्माण करने वाले मालिकों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज होगा। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के डीटीपीई ने ऐसे सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने की सिफारिश भेजी है। गांव सिधरावली में सावरिया ढाबा, बोहड़ाकलां में खुशहाल होटल के अलावा राजेंद्रा और रतनपाल की तरफ से अवैध रूप से बनाए गए वेयर हाउस के खिलाफ मामला दर्ज होगा। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने इन जमीन मालिकों और प्रॉपर्टी माफियाओं के खिलाफ हरियाणा डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन ऑफ अर्बन एरिया एक्ट, 1975 के तहत कार्रवाई की है। इसके मुताबिक बिना मंजूरी के खेतीहर जमीन पर अवैध निर्माण नहीं किया जा सकता है।

एसीपी ट्रैफिक ने रेहड़ी-फड़ियों पर चलावा दिया बुलडोजर

बहादुरगढ़ , एजेंसी। एक के बाद एक अफसरों के सुसाइड और भ्रष्टाचार के आरोपों में ?घिरी हरियाणा पुलिस के एक और अफसर का कारनामा चर्चा का विषय बन गया है। बहादुरगढ़ के पटेल नगर 200 फुटा रोड पर शुक्र बाजार में एसीपी ट्रैफिक दिनेश कुमार की कार्रवाई की सोशल मीडिया पर खूब आलोचना हो रही है। एसीपी ट्रैफिक दिनेश कुमार यहां सड़क किनारे सब्जी, ?खिलौने बेचने वालों की दुकानों को बुलडोजर से हटवा रहे हैं। इस कार्रवाई वीडियो उन्होंने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड किया था तो बहस छिड़ गई।

वाहवाही लूटने के चक्कर में उनका दांव उल्टा पड़ गया। सोशल मी?डिया यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं तो कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को हाथों हाथ लिया और गरीबों पर ऐसी कार्रवाई को बर्बर बताया। विवाद बढ़ने के बाद एसीपी ने वीडियो को अपने अकाउंट से डिलीट कर दिया लेकिन तब तक यह वायरल हो गया और लाखों बार देखा जा चुका है।

वीडियो में दिख रहा है कि एसीपी दिनेश कुमार बहादुरगढ़ में सड़क पर सब्जी बेचने वालों को हटाने के लिए बुलडोजर लेकर पहुंच गए। रेहड़ी-फड़ी वाले इनके सामने हाथ-पांव जोड़ते रहे लेकिन दिनेश कुमार ने अपनी कार्रवाई नहीं रोकी। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब ने इस वीडियो को पोस्ट करते हुए सवाल उठाया कि अडानी को 1 रुपए में हजारों एकड़ जमीन और गरीब सब्जीवालों पर ये कार्रवाई?

एक यूजर प्रिया सिंह ने लिखा, गरीबों पर बुलडोजर चलवाने वाले साहब का नाम दिनेश कुमार है। यह हरियाणा में बहादुरगढ़ के एसीपी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। कहने को तो साहब अर्जुन अवार्डी बॉक्सर हैं, लेकिन इनके अंदर मानवता और इंसानियत कितनी है, आप वीडियो में देख सकते हैं। आजकल ये रेहड़ी-पटरी वालों को ही सबक सिखाने में लगे हुए हैं और मस्त रील बना रहे हैं। वीडियो वायरल होने और मुद्दा बनता देख एसीपी दिनेश कुमार बैकफुट पर आ गए। उन्होंने खुद वीडियो को अपनी फेसबुक वॉल से हटा दिया। उनकी वॉल पर इस वीडियो के 56 लाख से अधिक व्यूज आ गए थे।

फरीदाबाद में कालिंदी कुंज चौक इंटरचेंज बनने से खत्म होगा जाम

एनएचएआई ने डीपीआर पर शुरू किया काम

फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद में कालिंदी कुंज चौक के जाम को खत्म करने के लिए प्रस्तावित इंटरचेंज की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है। इस डीपीआर को तैयार करने में करीब छह महीने का समय लगेगा। डीपीआर तैयार करने के बाद यहां पर इंटरचेंज बनाने की टेंडर प्रक्रिया शुरू हो सकेगी।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) प्रबंधन ने डीपीआर तैयार करने के लिए निजी एजेंसी को जिम्मेदारी सौंप दी है। इस इंटरचेंज के लिए एजेंसी कई डिजाइन बनाने की तैयारी कर रही है। एनएचएआई अधिकारियों द्वारा मंजूरी मिलने के बाद किसी एक डिजाइन को मंजूरी दी जाएगी।

एनएचएआई के एक अधिकारी ने बताया कि कालिंदी कुंज चौक पर इंटरचेंज को बनाने का कार्य अगले वर्ष ही शुरू हो सकेगा, क्योंकि डीपीआर बनने में ही कम से कम छह माह का समय लग जाएगा।

डिजाइन और बजट मंजूरी की प्रक्रिया शुरू होगी। मंजूरी मिलने के बाद विभाग टेंडर प्रक्रिया शुरू कर सकेगा। इस प्रक्रिया को पूरा करने में कम से कम आठ माह का समय लग जाएगा। टेंडर के बाद इंटरचेंज बनाने वाली कंपनी से करार करने में भी एक-दो माह का समय लगेगा।

कालिंदी कुंज चौक की ट्रैफिक लाइट से दिल्ली, नोएडा और फरीदाबाद की ओर आने-जाने वाले वाहन चालक आवाजाही करते हैं। सुबह-शाम दफ्तरों की छुट्टी होने के दौरान ट्रैफिक लाइट पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। इससे वजह से लोगों को यहां से निकलने में काफी समय लग जाता है। कालिंदी कुंज के जाम को खत्म करने के लिए लंबे समय से मांग की जा रही थी। जुलाई माह में यहां पर इंटरचेंज बनाने की घोषणा की गई थी।

गुरुग्राम में जहां ष्टष्टज्जङ्क कैमरे, वहां ट्रैफिक पुलिस कर्मी नहीं काटेंगे चालान

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्रामवासियों के लिए राहत भरी खबर है। गुरुग्राम में जहां सीसीटीवी कैमरे या ऑटोमेटेड ट्रैफिक मॉनिटरिंग सिस्टम लगा है, उन जगहों पर अब पुलिस कर्मी फिजिकल चालान नहीं काटेंगे। हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर यह जानकारी दी है। डीजीपी ने लिखा कि गुरुग्राम पुलिस कमिश्नर से मैंने कहा है कि जिस इलाके में कैमरा है, वहां फिजिकल चालान तुरंत प्रभाव से बंद करें। कैमरा आधारित सिस्टम पहले से ही उल्लंघनों को रिकॉर्ड करता है और ई-चालान जारी करता है, ऐसे में पुलिसकर्मियों का सड़क पर खड़ा होकर चालान काटना गैर जरूरी है। गुरुग्राम पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा ने डीसीपी ट्रैफिक को इसकी जानकारी साझा की। इसके बाद डीसीपी ट्रैफिक ने तत्काल प्रभाव से यह नए आदेश गुरुग्राम में लागू कर दिए। गुरुग्राम में 119 जगह पर चालान किए जाते हैं। यहां पर तैनात पुलिसकर्मी वाहन चालकों के विभिन्न यातायात उल्लंघन के नियमों की जांच कर कार्रवाई करते हैं। इसमें से 28 जगहों पर 300 कैमरे से भी ऑनलाइन चालान किए जाते हैं। कई बार वाहन चालक यह शिकायत लेकर पहुंचते हैं कि जहां पर ऑनलाइन चालान हुए वहां पर फिजिकल तरीके से भी पुलिसकर्मी ने चालान किए। अब इस नई व्यवस्था के बाद इन शिकायतों में कमी आएगी और लोगों को राहत मिलेगी। डीजीपी ओपी सिंह का तर्क है कि जहां कहीं भी ऑनलाइन कैमरे से यातायात उल्लंघन के चालान किए जा रहे हैं, वहां पर फिजिकल तरीके से चालान होना अनावश्यक है। इससे पुलिस कर्मियों का समय बचेगा और वह यातायात व्यवस्था को अन्य जगहों पर अधिक बेहतर कर सकेंगे। डीसीपी ट्रैफिक डॉ. राजेश मोहन ने बताया कि उन्हें इस बाबत आदेश मिले हैं।

मेरे बयानों के गलत ट्रांसलेशन किया गया, एडवाइजरी बोर्ड से बोले सोनम वांगचुक

लेह, एजेंसी। लेह में हुई हिंसा के बाद गिरफ्तार किए गए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने तीन सदस्यीय एडवाइजरी बोर्ड को बताया है कि उनके बयानों के गलत मतलब निकाले गए और तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। वांगचुक की गिरफ्तारी की समीक्षा करने के लिए तीन सदस्यों का बोर्ड बनाया गया है। शुक्रवार को बोर्ड के साथ बैठक के दौरान सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो भी मौजूद थीं।

गीतांजलि ने बताया, सोनम वांगचुक ने कहा कि किसि तरह से उन्हें गैरकानूनी तरीके से एनएसए के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि उनके वीडियो से उनके बयान निकाले गए और उनके गलत अर्थ पेश किए गए। ट्रांसलेटर ने भी इसे मनमाने ढंग से पेश किया। वीं सीआरपीएफ और लोगों के बीच हुई झड़प में जबरन उनका नाम शामिल कर दिया गया।

गीतांजलि ने कहा कि वांगचुक को इस तरह से गिरफ्तार करके केवल लोकतंत्र का मजाक बनाया गया है। हालांकि वांगचुक ने इतना ही कहा कि इंसाफ के घर देर है लेकिन अंधेर नहीं है। उन्होंने कहा कि एक दिन सत्य की ही विजय होगी। बता दें कि वांगचुक पिछले एक महीने से जोधपुर की जेल में बंद हैं। उन्हें 26 सितंबर को एनएसए के तहत गिरफ्तार किया गया था। लेह में सीआरपीएफ के साथ झड़प में चार लोगों की मौत के बाद उनपर ऐक्शन लिया गया था।

लेह प्रशासन ने तीन सदस्यों का एक बोर्ड बनाकर वांगचुक कि गिरफ्तारी की समीक्षा करने का फैसला किया। इसमें जस्टिस एमके हांजुरा (रिटायर्ड), जस्टिस मनोज परिहार और स्पांजेज आंगमो शामिल हैं। कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के सदस्य सज्जाद कारगिली ने कहा कि सोनम वांगचुक पर लगाए गए आरोप निराधार हैं और उन्हें गलत तरीके से एक महीने से जेल में रखा गया है.। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से लद्दाख के लोगों में लोकतंत्र के प्रति विश्वास कम हो जाएगा। हम उनकी तत्काल रिहाई की मांग करते हैं।

हिंसक झड़पों की न्यायिक जांच शनिवार से शुरू हो गई है और इस दौरान पीड़ितों को जांच पैनल के सदस्यों के समक्ष अपनी गवाही दर्ज कराने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। केंद्र ने लेह में हुई हिंसक झड़पों की उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच कराए जाने की 17 अक्टूबर को घोषणा की थी। यह लद्दाख के प्रदर्शनकारी समूहों की एक प्रमुख मांग थी।

डाक्टर की खुदकुशी मामले में नया ट्विस्ट, एक और सुसाइड से जुड़े तार, गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट का दावा

सतारा, एजेंसी। महाराष्ट्र के सतारा में महिला डॉक्टर की खुदकुशी मामले में एक नया ट्विस्ट आ गया है। एक महिला ने दावा किया है कि डॉक्टर पर उनकी बेटी की गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाने का दबाव डाला गया था। भाग्यश्री मारुति पंचांगने नाम की महिला ने कहा कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी सेना के एक अधिकारी से की थी। ससुराल में बेटी को प्रताड़ित किया जाता था। एक दिन पता चला कि बेटी ने खुदकुशी कर ली है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर पर उनकी बेटी की गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाने का दबाव डाला गया।

महिला ने दावा किया कि रिपोर्ट में कहा गया था कि उनकी बेटी दीपाली की नेचुरल डेथ हुई थी। उन्होंने इस घटना की विधिवत जांच करवाने की मांग की है। बता दें कि सतारा के जिला अस्पताल में

कार्यरत डॉक्टर की खुदकुशी को लेकर एक सब इन्स्पेक्टर गोपाल बदणे और मकान मालिक के बेटे प्रशांत बनकर के खिलाफ केस दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

डॉक्टर ने अपनी हथेली पर भी सुसाइड नोट लिखा था। इसके अलावा चार पेज के सुसाइड नोट में एक पूर्व सांसद का भी नाम था। पीड़िता ने दावा किया था कि पूर्व सांसद के दो सहयोगी उनपर गलत मेडिकल रिपोर्ट बनाने का दावा बना रहे थे। डॉक्टर के एक रिश्तेदार ने भी दावा किया था कि उनपर गलत मेडिकल रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाने का दबाव बनाया जाता था। फलटन के राजनीतिक लोग या पुलिस अकसर उनसे रिपोर्ट में छेड़छाड़ करने को कहती थी। उन्होंने स्थानीय थाने में कई बार इसकी शिकायत भी की थी लेकिन इसपर ध्यान ही नहीं दिया गया। अब भाग्यश्री नाम की महिला ने दावा किया है कि उनकी बेटी दीपाली की शादी सेना में अधिकारी अजिंक्य हनमंत निंबालकर से हुई थी। उन्होंने कहा कि दीपाली के साथ ससुराल में अकसर मारपीट होती थी। 19 अगस्त को अजिंक्य का फोन आया और उन्होंने बताया कि दीपाली अस्पताल में भर्ती हैं।

एएमयू छात्र से मारपीट कलमा पढ़ने का बनाया दबाव, अस्पताल में इलाज जारी

अलीगढ़, एजेंसी। यूपी के अलीगढ़ में एएमयू में एक छात्र पर कलमा पढ़ने का दवाब बनाते हुए रविवार की शाम मारपीट कर दी गई। छात्र को इलाज के लिए जेएन मेडीकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उधर एएमयू प्रॉक्टर का कहना है कि अभी मामला संज्ञान में नहीं आया है अगर इस तरह की घटना हुई है तो एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। पुरानी चुंगी निवासी प्रशांत राठी ने बताया कि वह सिटी स्कूल से हाईस्कूल की पढ़ाई कर रहे हैं। रविवार को वह अल्लामा इकबाल हॉल में रह रहे अपने दोस्त सिकंदर से मिलने गए थे। हॉल में दोस्त से बातचीत करने के दौरान ही तीन छात्र वहां आए और कलमा पढ़वाने का दवाब डालने लगे। जब उनसे कहा कि वह ऐसा नहीं कर सकता है तो उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। घसीटते हुए सड़क पर लिटाकर मारपीट की और पिस्टल का बट सिर में मारा। वहां मौजूद अन्य साथियों ने बचाया तो वह तीनों जान से मारने की धमकी देकर चले गए। तीनों छात्रों को वह जानता है, जिसमें एक प्रतापगढ़, एक गाजीपुर व एक स्थानीय छात्र है। घायल छात्र प्रशांत को जेएन मेडीकल कॉलेज में उपचार के लिए ले जाया गया। सूचना दिए जाने पर छात्र के परिजन भी पहुंच गए। घायल छात्र ने बताया कि प्रॉक्टर टीम को सूचना दे दी गई है।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हो शादी अनुदान का व्यापक प्रचार-प्रसार : एमएलसी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में अनुसूचित जाति एवं सामान्य वर्ग शादी अनुदान योजना के सबंध में बैठक आयोजित की गई। एमएलसी प्रो0 तारिक मंसूर ने कहा कि योजना का शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार प्रसार करें। ग्राम प्रधानों, पार्षदों एवं ब्लॉक प्रमुख के माध्यम से भी जन जन तक योजना का व्यापक पैमाने पर प्रचार प्रसार कराया जाए।

डीएसडब्ल्यूओ विनीत मालिक ने बताया कि शादी अनुदान योजना में एसडीएम एवं बीडीओ शतर पर 378 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिनमें से 52 को अस्वीकृत कर 269 को अग्रसारित किया गया है जबकि 57 आवेदन पत्र अभी भी लंबित हैं। उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति बेटी की शादी के तीन माह पूर्व या बाद तक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत पात्र परिवारों को 20 हजार की सहायता प्रदान की जाती है। शहरी क्षेत्रों में परिवार की वार्षिक आय 56000 और ग्रामीण क्षेत्रों में 46000 आय प्रतिवर्ष होनी चाहिए।

उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के बारे में विश्तार से जानकारी देते हुए बताया कि योजना में परिवार की वार्षिक आय तीन लाख प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए। इसमे 60000 रुपए कन्या के बैंक खाते में, 25000 की उपहार सामग्री और 15000 रुपए आयोजन पर व्यय किए जाते हैं। योजना में 802 लक्ष्य के सापेक्ष 828 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

औद्योगिक विकास ही रोजगार और समृद्धि का आधार : डीएम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में सोमवार को उद्योग बंधु समिति की मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उद्यमियों की समस्याओं के समाधान, निवेश संवर्धन, औद्योगिक क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और अनुकूल व्यवसायिक वातावरण प्रदान करने से संबंधित विषयों पर विभागवार समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीति के अनुरूप उद्यमियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और पारदर्शी निश्तारण किया जाए, ताकि निवेशकों का विश्वास बढ़े और नए निवेश को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास ही रोजगार सृजन और आर्थिक समृद्धि का प्रमुख आधार है। इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें और किसी भी शतर पर लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता केंद्र के संयुक्त आयुक्त बीरेंद्र कुमार ने जिले में स्थापित औद्योगिक इकाइयों की स्थिति, नए निवेश प्रश्तावों की प्रगति और आगामी योजनाओं की जानकारी प्रश्तुत की। उन्होंने बताया कि तालानगरी में 132 केवीए उपकेंद्र की स्थापना के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध न होने के कारण सीडीएफ छेरत में उपकेन्द्र स्थापना के लिए विद्युत विभाग द्वारा सहमति प्रश्ताव उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर दिया गया है। प्रधानाचार्य आईटीआई राजेश कुमार गौतम ने बताया कि अप्रेंटिसशिप अधिनियम के अंतर्गत 800 के लक्ष्य के सापेक्ष 312 शिक्षार्थियों का योजन किया जा चुका है, जबकि 75 प्रशिक्षुओं को विद्युत विभाग (ग्रामीण) के विभिन्न खंडों में नियोजित करने की प्रक्रिया प्रगति पर है। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी प्रकट करते हुए आमागी दो माह में शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त औद्योगिक आस्थान अतरौली में भूखंडों के ऊपर से गुजर रही 33 एवं 11 केवीए विद्युत लाइनों के शिफ्टिंग कार्य की जानकारी भी साझा की गई। प्रभारी पुलिस अधीक्षक यातायात ने बताया कि तालानगरी चौराहे पर औद्योगिक इकाइयों की छुट्टी के समय यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए होमगार्ड तैनात किए गए हैं। इस पर जिलाधिकारी ने तालानगरी के व्यश्ततम चौराहों पर होमगार्ड की संख्या बढ़ाने और स्पीड लिमिट के साइन बोर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए।

सयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेंद्र कुमार ने बताया कि जल्द ही पुनः ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन प्रश्तावित है। ऐसे में जिन इकाईयों का एमओयू नहीं हुआ है उन इकाईयों का प्राथमिकता से एमओयू कराया जाना है। जिलाधिकारी ने संबधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एमओयू संबंधी प्रक्रिया का जल्द से जल्द पूर्ण कराएं।

व्यापार बन्धु बैठक में पत्थर बाजार क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था दुरूश्त करने, दिन के दिन ही चैक क्लियरेंस व्यवस्था सुनिश्चित कराने के साथ ही औद्योगिक इकाईयों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने, बारातघरों में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण कानून का कड़ाई से अनुपालन कराने एवं वेस्ट पदार्थों का समुचित प्रबंधन कराने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में मा0 एमएलसी प्रो0 तारिक मंसूर, सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, विद्युत विभाग, नगर निगम, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बैंक प्रतिनिधि, डीआईसी अधिकारी, अग्निशमन एवं विभिन्न

नगर निगम ने 36 मालियों को स्थायी नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र दिए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। नगर निगम ने सोमवार को 36 मालियों को स्थायी नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र दिए। माली 21 साल की कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद स्थाई हुए हैं। उन्होंने लेबर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ी। शेष 36 मालियों के पद सृजित करने के लिए निगम ने शासन को पत्र लिखा है। नगर निगम के 72 मालियों ने साल 2005 में सुप्रीम कोर्ट में स्थायी करने की अपील की थी। वह सभी वर्ष 1998 से निगम के उद्यान विभाग में काम कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निगम को आदेश दिया कि मालियों को स्थायी किया जाए।अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार ने बताया वर्तमान में 36 माली के पद खाली हैं। सभी को वरिष्ठता के आधार पर स्थाई किया है। शेष मालियों को भी स्थायी करने के लिए शासन को पत्र लिखा गया है। इसके लिए पद सृजित किए जाएंगे। सोमवार शाम तक 36 मालियों के नियुक्ति पत्र तैयार कर दिए गए। दरअसल, मालियों ने स्थाई नौकरी के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। सबसे पहले लेबर कोर्ट गए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मालियों के पक्ष में फैसला दिया।सूत्रों ने बताया कि तीन मालियों का निधन हो चुका है। उनके परिवार के लोगों को सुविधाएं दी जाएगी। चार माली रिटायर्ड हो चुके हैं।

शांति भंग में नही मिली बेल, 7 लोग गये जेल, खजुराजट में दीपावली पर दो पक्ष में हुआ था विवाद

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। दीपावली पर ग्राम खजुराजट में हुए विवाद में पुलिस ने 7 लोगों का शांति भंग में चालान कर दिया। मामले में सुनवाई करते हुए एसडीएम ने सातों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। ग्राम खजुराजट में दीपावली के अवसर पर पटाखा छुड़ाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई थी। दोनों पक्षों ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए एक दूसरे पक्ष पर हमला करने के आरोप लगाए थे। रविवार को पुलिस ने मामले में एक पक्ष के कपिल पुत्र बलराम, मुकुल पुत्र कपिल, सुधांशु पुत्र छत्रपाल, विवेक पुत्र अतर सिंह एवं दूसरे पक्ष के हिमांशु पुत्र नरेश, नरेश व सुरेश को विरासत में लेकर उनका शांति भंग में चालान कर दिया था। उप जिलाधिकारी धामपुर स्मृति मिश्रा ने मामले में सुनवाई करते हुए सभी सातों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष धीरज नागर ने पुष्टि करते हुए बताया कि शांति भंग में उक्त सभी लोगों को जमानत नहीं मिली है और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजे गए हैं।

नाबालिग़ छात्रा की अश्लील वीडियो बनाई, ब्लैकमेल कर किया दुष्कर्म

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷। नाबालिग छात्रा की नहाते समय वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर बलात्कार करने वाले युवक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी युवक को तलाश कर रही है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवती ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहां है कि जब वह नाबालिग थी तथा स्कूल में पढ़ती थी तभी एक दिन गांव के रहने वाले शाहजेब पुत्र मोहम्मद यासीन ने नहाते समय उसकी अश्लील वीडियो बना ली थी आरोपी शाहजेब उसे लगातार ब्लैकमेल करता रहा तथा वीडियो वायरल करने की धमकी देता रहा पीड़िता का कहना है कि 24 जुलाई 2025 को उसके घर वाले देहरादून गए हुए थे। तभी शाहजेब घर में आया और उसके साथ बलात्कार किया। जब घरवालों को पता चला तो गांव के जम्मिदार लोगो की मौजूदगी में शाहजेब और उसके पिता ने गलती मानी। पीड़िता और शाहजेब कि शादी करने की बात कही मगर षड्यंत्र के तहत बात से पलट गए,पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ सम्बंधित धाराओं के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गोकशी कांड करने वालो पर 24 घंटे से पहले की ताबड़तोड़ कार्यवाही : पाण्डेय

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। सिस्टम को चुनौती देने वालो के लिए धामपुर क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे एक्शन मोड़ मे है। गत शनिवार को ग्राम जैतरा अमखेड़ा मार्ग पर दो गोवंश के अवशेष पड़े मिले होने की सुचना पुलिस को मिली। गोकशी की इस घटना से गोवंश प्रेमियों में भारी रोष व्याप्त था। घटनास्थल पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची !घटनास्थल से अवशेष को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी थी। क्षेत्राधिकारी धामपुर अभय कुमार पाण्डेय के शानदार नेतृत्व मे बेहतरीन पुलिसिंग व्यवस्था दिखाते हुए महज 24 घंटे से पूर्व ही गोवंश आरोपियों पर एक्शन लेते हुए उन्हें हिरासत में लिया और न्यालय भेज दिया गया। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि गोवंश के आरोपी पोशाक नहर के राश्ते बाइक से निकलेंगे। क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे के नेतृत्व मे पुलिस प्रशासन द्वारा घेराबंदी करते हुए गोराबादल चौकी के समीप नहर की पुलिया के पास चेकिंग की। बिना नंबर प्लेट की बाइक से आ रहे 3 युवकों को संदिग्ध दिखाई देने पर रोकने का प्रयास किया। मोटरसाइकिल चालक ने मौके से भागने के उदेश्य से मोटरसाइकिल दौड़ा दी। पुलिस दवारा पीछा करने पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा के जवाब में पुलिस द्वारा जवाबी फायरिंग में तीनों आरोपी घायल हो गए। पकड़ा गए आरोपी नौशाद पुत्र सलीम, सुफियान पुत्र इलियास, इकराम

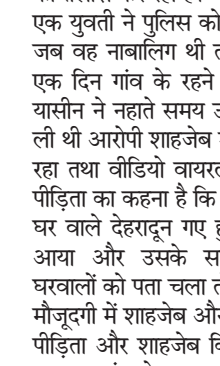

फर्जी फर्म से करोड़ों की कर चोरी का खुलासा

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

विजयनगर थानाक्षेत्र में फर्जी फर्म बनाकर सात रुपये की कर चोरी का मामला सामने आया है। राज्य कर विभाग की जांच में खुलासा हुआ कि फर्म संचालक ने वाश्तविक व्यापारिक गतिविधि के बिना गी इनवर्ड सप्लाई घोषित कर करोड़ों के इनपुट टैक्स क्रेडिट का अनुचित लाभ उठाया। राज्य कर विभाग के प्रधान सहायक ने केस दर्ज कराया है।

राज्य कर रेंज-बी में कार्यरत प्रधान सहायक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि राधे इंटरप्राइजेज नाम की फर्म का जीएसटी पंजीकरण कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया गया था। दशतावेजों के आधार पर राज्य कर विभाग ने छह दिसंबर 2024 को जीएसटी पंजीकरण प्रदान कर दिया।

दशतावेजों में फर्म का पता सी-13/4 विजयनगर इंडस्ट्रियल एरिया दर्ज है। ऑनलाइन आवेदन में फर्म स्वामी के रूप में राकेश सिंह रावत का नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी तथा एक्सिस बैंक में संचालित बैंक खाते का विवरण अपलोड किया गया था। आरोप है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में फर्म द्वारा अपलोड किए गए जीएसटी रिटर्न में करोड़ों रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा किया गया। फर्म ने इनवॉइस वैल्यू 48.28 करोड़ रुपये दिखाई, जबकि 7.36 करोड़ रुपये का आईजीएसटी क्रेडिट दर्शाया गया।

आरोप है कि विभागीय जांच में विभागीय जांच में वाश्तविक आउटवर्ड सप्लाई और टैक्स देयता का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं हुआ। इससे संदेह हुआ कि फर्म केवल आईटीसी पास-ऑन करने के लिए कागजी रूप से संचालित की जा रही थी।

शिकायत के आधार पर केस दर्ज प्रधान सहायक के मुताबिक राज्य कर विभाग की टीम ने 12 सितंबर 2025 को घोषित व्यापार स्थल का निरीक्षण किया, जिसमें पाया गया कि उक्त पते पर राधे इंटरप्राइजेज नाम की फर्म अश्तित्व में ही नहीं है।

आसपास के लोगों ने भी फर्म के बारे में कोई भी जानकारी होने से साफ इंकार कर दिया। साथ ही पंजीयन में दर्ज मोबाइल नंबर भी असक्रिय पाया गया। प्रधान सहायक के मुताबिक जांच में स्पष्ट हुआ कि फर्म के स्वामी रोशन कुमार ने सुनियोजित तरीके से फर्जी दशतावेजों के आधार पर फर्म का पंजीकरण कराकर सरकार को करोड़ों के राजस्व नुकसान की साजिश रची गई है। राज्य कर विभाग ने फर्म का पंजीकरण प्रमाणपत्र, बिजली बिल, फर्म मालिक का फोटो और विभागीय जांच की प्रति भी पुलिस को भेजी।

सीओ कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि शिकायत के आधार पर राधे इंटरप्राइजेज फर्म के मालिक राकेश सिंह रावत के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है।

सम्राट चौक पर दो पक्षों में मारपीट, वीडियो वायरल

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद के विजय नगर थाना क्षेत्र में सम्राट चौक के पास दो पक्षों के बीच हुई मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक की बेरहमी से पिटाई की जा रही है। वायरल हुए वीडियो के अनुसार, तीन युवक मिलकर रोहित नामक एक अन्य युवक की पिटाई करते नजर आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, यह झगड़ा माता कॉलोनी में रहने वाले लल्ला, हितेश और दीपक ने अपने साथियों के साथ मिलकर किया। हालांकि, यह वीडियो बीते 25 तारीख का बताया जा रहा है।

कार की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

वेव सिटी थानाक्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से पश्चिम बंगाल का एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में भर्ती युवक की हालत नाजुक बताई गई है।

घॉना के संबंध में युवक के जीजा ने शिकायत दी। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपी चालक को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

अदित्य वर्ल्ड सिटी की लग्जूरिया एस्टेट सोसाइटी में रहने वाले प्रकाश रश्तोगी का कहना है कि उनका 35 वर्षीय साला हावड़ा पश्चिम बंगाल के सालकिया निवासी विशाल राय दिवाली और भाईदूज मनाने के लिए उनके यहां आया था। 22 अक्तूबर की रात विशाल राय आदित्य वर्ल्ड सिटी के गेट नंबर-एक के पास सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से गुजर रही एक अज्ञात कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से विशाल को संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से हालत नाजुक देखते हुए दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया।

प्रकाश रश्तोगी का कहना है कि बेहतर उपचार के लिए उनके साले को मणिपाल अस्पताल गाजियाबाद में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। वेव सिटी की क्षेत्राधिकारी प्रियाश्री पाल का कहना है कि शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

एमएमजी अस्पताल में मरीजों के बढ़ने से फुल हुए सभी बेड

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

वायु प्रदूषण बढ़ने के कारण एमएमजी अस्पतालों में सोमवार को बेड फुल हो गए। नए मरीजों को बेड के लिए तीन घंटे तक का इंतजार करना पड़ा। वार्ड से मरीजों को डिस्चार्ज मिलने के बाद नए मरीजों को भर्ती किया गया।

इमरजेंसी में गंभीर मरीजों को स्ट्रेचर पर लिटाकर इलाज दिया गया। एमएमजी अस्पताल के ओपीडी में सोमवार को कुल 2477 मरीजों ने पंजीकरण कराया। इनमें 1164 महिला, 876 पुरुष और 437 बच्चे शामिल रहे। इमरजेंसी में 91 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। ओपीडी में आने वाले मरीजों में बुखार, खांसी, नजला, जुकाम और सांस लेने में तकलीफ की बीमारी के रहे।

अस्पताल में 600 से ज्यादा सांस के मरीजों को इलाज दिया गया। हालत यह रही कि अस्पताल के सभी बेड पूरी तरह से फुल हो गए। नए मरीजों को भर्ती करने के लिए पुराने मरीजों को डिस्चार्ज किए जाने का इंतजार करना पड़ा। इमरजेंसी में नए मरीजों ने बेड के लिए दो से तीन घंटे तक इंतजार किया। पुराने मरीजों के जिस्चार्ज होने के बाद उन्हें बेड मिला।

अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन संतराम वर्मा ने बताया कि जिन लोगों को पहले से दमा, ब्रोंकाइटिस, सीओपीडी, एलर्जी या हृदय संबंधी समस्याएं हैं, उनको ज्यादा परेशानी हो रही है। ऐसे मरीजों को सुबह और शाम घर से बाहर निकलते समय मास्क जरूर लगाना चाहिए। गले को आराम देने के लिए दिन में दो-तीन बार गुनगुने पानी से गरारे करें। ठंडी चीजों के सेवन से परहेज करें और पानी की मात्रा बढ़ाएं। फैमिली फिजिशियन ऑफ इंडिया के चेयरमैन डा. रमन कुमार का कहना है कि हवा की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। इससे बच्चे, बुजुर्ग और दमा व एलर्जी के मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

हवा में प्रदूषण के महीन कण फेफड़ों में पहुंचकर श्वसन तंत्र को प्रभावित करते हैं। इनसे गले में सूजन और खराश की समस्या पैदा होती है। वीआईपी ड्यूटी की वजह से छुट्टी पर रहे डॉक्टर रविवार को वीवीआईपी ड्यूटी की वजह से सोमवार को कई डॉक्टर छुट्टी पर रहे।

एमएमजी और संयुक्त अस्पताल में कई फार्मासिस्ट और डॉक्टर अवकाश पर होने की वजह से ओपीडी प्रभावित रही और मरीजों को इलाज के लिए घंटो इंतजार करना पड़ा।

मोबाइल ऐप डाउनलोड कराकर खाते से रकम उड़ाई

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

अस्पताल में ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट बुक करने के लिए साइबर अपराधियों ने ऐप डाउनलोड कराकर इंदिरापुरम निवासी व्यक्ति के खाते से साढ़े 87 हजार रुपये साफ कर दिए। ठगी का पता चलने पर पीडित ने साइबर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

इंदिरापुरम के नीतिखंड-तीन में रहने वाले नरेंद्र प्रकाश का कहना है कि 13 अक्तूबर को उन्होंने गूगल पर यशोदा अस्पताल कौशांबी का मोबाइल नंबर तलाश किया। खोजने पर मिले नंबर पर संपर्क करने पर कॉल रिसीव करने वाले ठगों ने खुद को अस्पताल का प्रतिनिधि बताया। इसके बाद उसने अपॉइंटमेंट बुक करने के लिए एक ऐप डाउनलोड करने और दो रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा।

नरेंद्र प्रकाश के मुताबिक उन्होंने बताए अनुसार ऐप डाउनलोड भी कर लिया, लेकिन दो रुपये का भेजा गया भुगतान असफल रहा और ऐप उसी तरह मोबाइल फोन में बना रहा। आरोप है कि 24 अक्तूबर को उनका मोबाइल अचानक से अत्यधिक गर्म होने लगा और थोड़ी देर बाद उनके एचडीएफसी बैंक खाते से तीन अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 87 हजार 416 रुपये साफ हो गए। पीड़ित का कहना है कि यह सारी रकम बिना किसी ओटीपी या अनुमति के कट गई।

ठगी का पता लगने पर पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। सीओ क्राइम भास्कर वर्मा का कहना बै कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जालसाजों को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है।

सोसाइटी की 23वीं मंजिल से गिरकर महिला की मौत

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

वसुंधरा सेक्टर-18 की गार्डेनिया गीतांजलि सोसाइटी में सोमवार सुबह 23वीं मंजिल से गिरकर बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला अपने पति के साथ रविवार को ही सोसाइटी में रहने वाली बेटी के यहां पहुंची थीं। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, मामले की जांच कर रही है।

मूलरूप से आंबेडकर नगर के सम्मनपुर स्थित मजीसा आसमान पट्टी गांव में रहने वाली 60 वर्षीय निर्मला चौधरी रविवार शाम पति सीताराम चौधरी के साथ गार्डेनिया गीतांजलि सोसाइटी पहुंची थीं। सोसाइटी में सातवीं मंजिल पर बेटी और दामाद रहते हैं। बेटी एक स्कूल में शिक्षक और दामाद गुरुग्राम की आईटी कंपनी में नौकरी करते हैं।

सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि निर्मला लंबे समय से बीमार चल रही थीं। दिल्ली के एम्स से उनका डिप्रेशन का इलाज भी चल रहा था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि हाल ही में उन्हें अस्पताल में दिखाना था। इसके लिए वह बेटी के घर आई थीं। सोमवार सुबह लगभग 10 बजे वह सोसाइटी की 23वीं मंजिल से गिर गईं। इतनी ऊंचाई से गिरने की वजह से शरीर फट गया था। यहां तक कि मांस के टुकड़े करीब 100 मीटर दूर तक गिरे थे। जांच में पता चला कि सुबह वह सोसाइटी की लिफ्ट से 23वीं मंजिल पर पहुंची थीं।

जहरखुरानी गिरोह ने युवक को बेहोश कर लूटा

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लिंक रोड थाना क्षेत्र में जहरखुरानी का मामला सामने आया है। कौशांबी बस अड्डे पर बस में सवार हुए युवक से जान पहचान शातिरों ने बिस्कुट खिलाया, जिसके बाद वह बेहोश हो गए। बदमाश उनका बैग लूटकर ले गए। बैग में लैपटॉप, दो मोबाइल, सोने की चेन, पर्स, नकदी और क्रेडिट व डेबिट कार्ड थे।

होश में आने पर पीड़ित ने डीजीपी से शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की है। लखनऊ के रहन वाले 29 वर्षीय गौतम दास मुंबई में नौकरी करते हैं। गौतम के अनुसार वह 23 सितंबर को प्लेन से दिल्ली पहुंचे और बरेली जाने के लिए कौशांबी बस अड्डे पर बस में सवार हुए। बस उन्हें एक युवक मिला, जिसने उनसे जान पहचान की और फिर साथ में लूडो खेलने का दबाव बनाया। इसके बाद युवक ने उन्हें खाने के लिए बिस्कुट दिया। गौतम के अनुसार उन्होंने आधा बिस्कुट खाया, लेकिन कड़वा लगने पर बाकी फेंक दिया। बिस्कुट खाने के बाद उन्हें नींद आने लगी। इसके बाद उनकी नींद बरेली के सेटेलाइट बस डिपो में खुली।

लेकिन, वह कुछ बोलने की स्थिति में नहीं थे। उन्हें एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेज दिया गया। अस्पताल में इलाज के बाद उनकी हालत में सुधार हुआ। जिसके बाद उन्हें पता चला कि उनका बैग गायब है।

बैग में लैपटॉप, दो मोबाइल, सोने की चेन, सात हजार रुपये की नकदी, ईयर पॉड, पेन, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस थे। शातिर ने उनके क्रेडिट कार्ड के जरिए 25 सिंतबर को सात बार में 70 हजार रुपये स्थानांतरित किए गए थे।

उन्होंने बरेली के सैटेलाइट थाने में शिकायत की, लेकिन पुलिस ने उन्हें कौशांबी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाने के लिए कहा। जिसके बाद उन्होंने प्रदेश पुलिस महानिदेशक से शिकायत की। डीजीपी के आदेश पर लिंक रोड थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

सीओ साहिबाबाद श्वेता यादव का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

उत्तम शुगर मिल के शुभारंभ का हुआ आगाज, बॉयलर पूजन आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नांगल सोती ✷

उत्तम शुगर मिल में आज बॉयलर मे अग्नि प्रज्वलित पूजन के साथ बरकतपुर उत्तम शुगर मिल के शुभारंभ का आगाज किया गया। इस मौके पर मिल के अनेक अधिकारियों और कर्मचारियों सहित किसान यहां मौजूद रहे।

आज बरकतपुर उत्तम शुगर मिल के बॉयलर में पंडित राजेंद्र प्रसाद द्वारा वैदिक मंत्रोउच्चार के साथ हवन- पूजन कराकर अग्नि प्रवेश कराया गया।

इस अवसर पर इकाई के संयुक्त अध्यक्ष नरपत सिंह, मुख्य महाप्रबंधक अभियंता अतेंद्र शर्मा, महाप्रबंधक गन्ना विकास पुंडीर, अपर महाप्रबंधक विद्युत अनिल शर्मा, महाप्रबंधक उत्पादन अतुल कुमार, सहायक महाप्रबंधक लेखा अखिलेश गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक एच. अर्जुन कौशिक, चांदवीर सिंह,डॉक्टर यशवीर सिंह, विनीत शर्मा,अजय शर्मा सहित अनेक अधिकारी और कर्मचारी यहां मौजूद रहे।

वही संयुक्त उपाध्यक्ष नरपत सिंह ने बॉयलर के निर्विघ्न संचालन के साथ ही आगामी पेराई सत्र के सुचारू रूप से संचालन हेतु ईश्वर से प्रार्थना के साथ सभी से सहयोग का अनुरोध किया।

किसानों से अनुरोध किया कि विगत वर्षो की भांति आगामी पेराई सत्र में भी अपनी चीनी मिल को ताजा और साफ सुथरा जड़ व पत्ती रहित गन्ना आपूर्ति कर किसान और इकाई दोनों का हित संरक्षित रखें।

मिल संयुक्त अध्यक्ष श्री नरपत सिंह, मुख्य महाप्रबंधक अभियंता अतेंद्र शर्मा, गन्ना महाप्रबंधक विकास पुंडीर ने बताया कि मिल 5 नवंबर में पेराई शुरू होने की संभावना है वहीं उन्होंने बताया कि अन्य चीनी मिल क्षेत्रों में लाल सड़न का रोग तेजी से फैल रहा है।

इसलिए किसानों को नई प्रजाति 15023 का बीज अधिक से अधिक बोना चाहिए मई माह में आपूर्ति पौधे गन्ने की पेडी को आगामी पेराई सत्र के प्रथम चक्र में न डालने का भी संयुक्त अध्यक्ष ने कृषको से अनुरोध किया ताकि अधिक वजन प्राप्त होने से किसान और मिल दोनों को आर्थिक लाभ हो बताया कि गेहूं के साथ गन्ना लगाकर दुगना लाभ पाए इसके लिए वह अपने सुपरवाइजर और फील्ड अधिकारी से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और अंत में उपस्थित सभी लोगों को मिल संयुक्त अध्यक्ष नरपत सिंह द्वारा प्रसाद वितरण कराया गया

दबंगों ने किया मकान पर कब्जा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नहटोर क्षेत्र में मकान कब्जाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया।

जिसमें 34 वर्षीय महिला नाजरा गंभीर रूप से घायल हो गई। नबील और शहजाद ने नाजरा का सामान बाहर फेंक दिया और कब्जा कर लिया।

देर रात्रि को सीओ ओर नायब तहसीलदार की उपस्थिति में मकान पर ताला लगाकर ग्राम प्रधान को चाबी सौंप दी। ग्राम कासमपुर लेखराज स्थित मकान पर नबील एवं शहजाद निवासी बैरमाबाद गढ़ी मकान अपना बताते हुए कब्जा लेने को लेकर काफी समय से प्रयासरत थे। शहजाद पक्ष का दावा है कि नबील पुत्र अतीक अहमद निवासी बैरमाबाद गढ़ी के नाम उक्त मकान का बैनामा अक्टूबर 2024 में हुआ था। इससे पूर्व उक्त जमीन के 6 बैनामे हो चुके हैं। वहीं नाजरा का दावा है कि उसने नरेश निवासी कासमपुर लेखराज से मकान को खरीदा है। जिसका बैनामा भी उसके पास है। वह पांच छह साल से मकान में रह रही है।

मामला न्यायालय में भी विचाराधीन है। आरोप है कि शनिवार शाम को नाजरा अपनी बेटी नव्या, तसमिया 12 वर्ष, अब्दुल अहद 8 वर्ष के साथ रिश्तेदारी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गई थी। इसी दौरान नबील और शहजाद पक्ष द्वारा मकान के ताले तोड़कर नाजरा के घर मे रखें समान को बाहर फेंक दिया और कब्जा कर लिया।

पूर्व विधायक शाहनवाज राणा टाप टेन बिजली बकायदारो में शामिल डसना फैक्ट्री की हुई कुर्की

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

टॉप 10 के बिजली बकायादारो में शामिल बसपा के पूर्व बिजनौर विधायक हाजी शाहनवाज राणा की डासना स्टील फैक्ट्री को प्रशासन ने जब्त कर लिया।

तहसीलदार सदर के संरक्षण में तहसील की टीम के साथ डसना स्टील प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री पर किया गया कुर्की का कार्य।

डायरेक्टर शाहनवाज राणा, बदरूजमा निवासी तरीकममपुर रूपचंद व प्रोपराइटर खालीद चौधरी तरीकमपुर रूपचंद पर तहसील बिजनौर पर विद्युत विभाग की बकाया राशी का मांग पत्र अंकन 1357594 रुपए + तलबनमा देय है।

आज अचल संपत्ति की कुर्की की कार्रवाई उप जिलाधिकारी सदर बिजनौर रितु रानी के निर्देशानुसार तहसीलदार सदर आशीष सक्सेना के कुशल नेतृत्व में संपन्न की गई। राजस्व टीम के सूरजमल संग्रह अमीन, कपिल चौधरी ,परमानंद मंडल, भगवत सिंह, मनोज कुमार आदि कर्मचारी गण मौजूद रहे।

1357594 रूपये की धनराशि को न जमा करने के कारण उत्तर प्रदेश राज्य राजस्व 2006 की धारा 174 गके अंतर्गत उप जिलाधिकारी महोदया सदर बिजनौर के आदेश पर 28 जनवरी 2025 के अनुपालन में भूमि गाटा संख्या 903 रखवा 1.122 का 1/2 भाग 0.5610 की कुर्की की जा चुकी है।

उक्त भूमि पर किसी भी प्रकार का कृषि कार्य खुर्दपूर्द क्रय विक्रय किया जाना दंडनीय अपराध है इसको संज्ञान में लाया जाए।

डीएम ने एशियन रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता तीन बेटियों को प्रदान की गई आर्थिक सहायता

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में 20वीं एशियन रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए रोलर डर्बी स्पर्धा में रजत (सिल्वर) पदक अर्जित करने वाली जनपद की तीन खिलाड़ी कुमारी वैष्णवी शर्मा, कुमारी श्रेया एवं आकृति सोरियान को जिला खेल विकास प्रोत्साहन समिति, बिजनौर की ओर से रुपये 25-25 हजार अर्थात कुल ₹75,000/- (पचहत्तर हजार रुपये) की आर्थिक सहायता एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है।

उल्लेखनीय है कि इन्हें पूर्व में भी इसी प्रतियोगिता के लिए समान प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई थी।

जिलाधिकारी बिजनौर ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि कुमारी वैष्णवी शर्मा, कुमारी श्रेया और आकृति सोरियान ने अपनी प्रतिभा और समर्पण से बिजनौर जनपद का नाम ऊँचा किया है। जिला प्रशासन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा, ताकि वे भविष्य में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि खेल भावना और समर्पण के साथ आगे बढ़ने वाले खिलाड़ी समाज के लिए प्रेरणा हैं और प्रशासन उनके सर्वांगीण विकास के प्रति कटिबद्ध है।

इस अवसर पर राजकुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी एवं सचिव, जिला खेल विकास प्रोत्साहन समिति, बिजनौर ने कहा कि खिलाड़ियों को दी गई यह आर्थिक सहायता उनके कठिन परिश्रम और उत्कृष्ट प्रदर्शन के सम्मान में है। इससे अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी कि वे जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

संपादकीय

बिहार चुनाव के गलियारों में उठापठक एवं गलबहियां की निराली दास्तान

गाजर की पुंगी बजी तो बजी, नही तो खा लेंगे यह उक्ति बिहार के चुनाव में महागठबंधन की किंवदंती की तरह सुनाई दे रही है। महागठबंधन आज फिर उसी दुविधा में है। महागठबंधन धीरे धीरे यही प्रयास कर रहा है कि गाजर की इस पुंगी को बजाने की और कोशिश करना निरर्थक प्रयास है और इस समस्या पर पर्दा डालने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अशोक गहलोत को बुलाया गया। मुख्यमंत्री के चेहरे की घोषणा करने के बाद राहुल गांधी बिहार की जनसभा में कहीं दिख नही रहे है।

क्या वे नाराज है या पार्टी हाईकमान ने उन्हें आराम के लिए कह दिया है? क्योंकि न्याय यात्रा में राहुल को थकान हुई होगी? लेकिन महागठबंधन की इस दुविधा से बेखबर, बेपरवाह आरजेडी नेता आपसी जंग से किनारा कर प्रचार में लग गए है। बिहार में मुख्यमंत्री के नाम को लेकर मीडिया में अटकलें तो बहुत लगाई जा रही है। लेकिन हकीकत कुछ और है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगल पांडे की तरफ मुख्यमंत्री के नाम की सुई जाती हुई दिखाई दे रही है। वही, अगर महागठबंधन की सरकार बनती है तो तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा और उसके नीचे चार डिप्टी सीएम का पद आवंटित किया जाएगा। बिहार चुनाव में चर्चा जोरो पर है। उपरोक्त बात को लेकर बिहार में सब जगह चर्चा का दौर है। विधानसभा चुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण है। विपक्षने तेजस्वी को खलनायक की उपमा दी है।

उधर, 45 मिनट के भाषण में मोदी ने नीतीश कुमार के नाम मुख्यमंत्री के पत्ते नही खोलने पर यह चर्चा है कि इस बार एनडीए का मुख्यमंत्री कौन? लेकिन अमित शाह ने स्पष्ट कह दिया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही विधानसभा चुनाव लड़ा जा रहा है, दरअसल, चुनाव में यह भी चर्चा है कि वर्तमान समय मे लालू और तेजस्वी की उपयोगिता नही बची है। सत्तारूढ़ की नजर में विपक्ष की उपयोगिता खत्म हो गई है। बिहार में भाषण के दौरान मोदी ने कहा कि समय बदल गया है अब लालटेन की क्या आवश्यकता है। दोनो बाप बेटे लूट के इरादे से सरकार बनाने के लिये तैयारी कर रहे है। क्योंकि महागठबंधन की सरकार आएगी और बिहार में लूटने का अच्छा मौका मिल जाएगा। बिहार में लालू की सरकार के दौरान जंगलराज कायम था। पार्टियां लूट खसोट में लगी थी। सरकार जाते ही अचानक लालू का आभामंडल लुप्त हो गया। पूरे परिवार को भ्रष्टाचार में झोंकने वाले लालू को बिहार में फिर से जनता जनार्दन अपना पाएगी? बिहार में झुठ और सच्चाई की राजनीति की लड़ाई अब खत्म होने वाली नही है।

विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। लेकिन अटकलें कुछ और है। बिहार में मोदी और नीतीश की राजनैतिक छवि साफ और भरोसेमंद रही है। बिहार में भारी विकास हुआ है। गांव शहरों से कटे हुए थे, रेल सुविधा या आवागमन के कोई साधन उपलब्ध नही था, वही पक्की सड़क और इंटरनेट मीडिया की उपलब्धता से लोग आज अपना रोजगार सुगमता से प्राप्त कर रहे है। युवा अपने पैरों पर खड़े है। इसमें महिला रोजगार के भारी अवसर मिल रहे है। कानून व्यवस्था की तरफ सरकार अपने वादों पर खरी उतरी है।

बिहार में यह चर्चा है कि सरकार चलाना आरजेडी के बूते की बात नही है। क्योंकि उनकी सरकार बन भी जाती है तो अराजकता व्याप्त राज्य फिर से बन जायेगा। क्योंकि कांग्रेस तेजस्वी को ज्यादा दिन बर्दाश्त नही करेंगे। उनका काम निकल जायेगा उन्हें दूध से मक्खी की तरह निकालकर फेंक दिया जाएगा। क्योंकि कांग्रेस आज भी अपनी कथनी और करनी पर कायम नही है। उत्तरप्रदेश में समाजवादी के साथ गठबंधन किया तो समाजवादी की नीतियों से अखिलेश को पराजय मिली, लेकिन कांग्रेस का उत्तरप्रदेश में दो प्रत्याशी जीतकर गए थे। कहते है कि चालाकिया हर बार काम नही आती है। लालू की साख में गिरावट उस समय आई, जब वे भ्रष्टाचार में लिप्त जेल में सजा काटकर आए। राजनीतिक गलियारों में मोलभाव करने में उनका कोई सानी नही है। लालू ने तो नीतीश कुमार पर भी आरोप लगाया था, जबकि सबसे बड़े राजनैतिक जोकर तो लालू है।

शब्दबाण की बौछार में लालू का कोई सानी नही है। बिहार में आरजेडी और कांग्रेस ने मिलकर फार्मूला बैठाया है लेकिन दोनों दलों की अपनी अपनी मजबूरी है। कांग्रेस कभी अकेले दम पर देश में सरकार बनाने वाली पार्टीथी लेकिन कांग्रेस के लिए बिहार चुनाव अभी नही तो कभी नही वाला है। पिछली विधानसभा में उसे केवल 19 सीटे मिली थी। मोदी और नीतीश लहर के चलते इस बार भी विपक्ष अपनी उम्मीदों पर खरा नही उतर सकता है। इसका कारण यह है कि जनता नीतीश के नाम पर खुश है। महागठबंधन का पेच फंसने के बाद उसको सुलझाने के लिए फिर हाजर नही हुए।

चुनाव आयोग के हिदायतों के बाद पूरे तरह एसआईआर को केंद्र में रखकर चुनाव लडा जा रहा है इस चुनाव का एक पहलू यह भी है कि सिद्धांतो, नैतिकता और मूल्यों की दुहाई देने वाले दल ही इनकी लक्ष्मणरेखा लांघने में कोई कसर नही छोड़ी है। हिंदू और हिंदुत्ववादी पर निशाना साधने वाले राहुल के साथ प्रियंका की सभा भी नही हो रही है। सर्वाधिक उतावले दिखने वाले राहुल बिहार में प्रचार नही करेंगे? विपक्षी दलों के लिए चुनाव इस बार जीने मरने के प्रश्न जैसा है। ऐसे में इस बार चुनाव जीने मरने जैसा है। क्योंकि पूर्ववर्ती सरकारों में पीड़ा, तिरस्कार, क़ानून व्यवस्था, गरीबी, भुखमरी, दुष्कर्म की घटनाएं और हत्या का दौर था। अ

गर लालू के शासनकाल में जनता खुश होती तो इस बार अवसर शायद मिल सकता था। लेनिक विरासत धुंधली और भयानक रही है। इसलिए राह आसान नही दिख रही है। कांग्रेस और तेजस्वी की पार्टी में सबसे बड़ी फजीहत परिवारवाद को लेकर हो रही है। क्योंकि कांग्रेस और आरजेडी सबसे बडी परिवारवाद की पोषक है। चुनाव में मुकाबला दिलचस्प हो रहा है। क्योंकि बिहार में सियासत के दांव पेंच खूब जमकर खेले जा रहे है। गुलाब जहा भी खिलता है, वह अपने रंग रूप और अपनी खुश्बू से वातावरण को सुंगधित कर देता है। मुखरित कर देता है। जिसके मन मे समाज और राष्ट्र कल्याण की धुन है, वह कही भी जाएगा वही अपने जीवन की महक दुसरो को प्रदान करता रहेगा। जो विकास के मार्ग पर अग्रसर है। उसे कोई भय नही है।

बिहार: नया मोड़ या पुरानी राह?

विनीत नारायण

बिहार प्रयोगों, व्यक्तित्वों और गठबंधनों की धरती रहा है। यहाँ सत्ता तक पहुँचने का राश्ता सिर्फ वोटों से नहीं, बल्कि समाजिक समीकरणों, जातीय गणित और जनभावनाओं से होकर गुजरता है। अब जब 2025 के विधानसभा चुनावों की दश्तक हो चुकी है, पूरा देश बिहार की ओर देख रहा है। यह चुनाव राष्ट्रीय समीकरणों को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

इस बार मुकाबला दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण इसलिए है क्योंकि मैदान में तीन धाराएँ साफ तौर पर दिखाई दे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) है। एनडीए, जिसमें जनता दल (यू) के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार फिर एक बार केंद्र में हैं। वहीं, तेजी से उभरती शक्ति के रूप में प्रशांत किशोर का 'जन सुराज अभियान'।

राजद की अगुवाई वाला 'इंडिया' गठबंधन इस चुनाव को अपनी साख बचाने के साथ-साथ केंद्र की राजनीति पर असर डालने के अवसर के रूप में देख रहा है। तेजस्वी यादव पिछले कुछ वर्षों में अपनी राजनीतिक परिपक्वता दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे वह बेरोजगारी का मुद्दा हो, युवाओं से संवाद हो या नीतीश सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना।

राजद के पास एक ठोस सामाजिक आधार है, लेकिन उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता की है। भ्रष्टाचार के पुराने मामलों और शासन की यादें आज भी मतदाताओं के दिमाग में ताजा हैं। कांग्रेस, वामदलों और अन्य सहयोगियों के बीच सीट बँटवारे को लेकर संभावित खींचतान भी गठबंधन की मजबूती पर सवाल उठाती है। फिर भी, तेजस्वी का युवा जोश और उनके प्रचार की डिजिटल समझबूझ उन्हें पहले से अलग बनाती है। 'इंडिया' गठबंधन यह भलीभाँति जानता है कि अगर बिहार में उसकी पकड़ मजबूत होती है, तो यह 2029 के लोकसभा समीकरणों में एक नई ऊर्जा भर सकता है।

एनडीए का चेहरा इस बार भी नीतीश कुमार ही हैं, जिनका राजनीतिक अनुभव किसी परिचय का मोहताज नहीं। वे सात बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, लेकिन अब जनता उनसे बदलाव की बजाय जवाब चाहती है। उनकी सबसे बड़ी ताकत रही है साफ़ छवि और साझा सामाजिक आधार। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि पिछले कुछ सालों में उनके राजनीतिक पलटवारों, कभी महागठबंधन में, कभी एनडीए में आने-जाने ने उनकी विश्वसनीयता को काफ़ी कमजोर किया है।

भाजपा, जो एनडीए की दूसरी बड़ी ताकत है, नीतीश के साथ रहते हुए भी अपने संगठन को बढ़ाने की कोशिश कर रही है। उसे यह अंदाज़ा है कि बिहार में अगर उसे भविष्य में स्वतंत्र रूप से मज़बूत होना है, तो नीतीश के बाद का दौर भी ध्यान में रखना होगा। यही कारण है कि भाजपा अब स्थानीय नेताओं को उभारने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के सहारे मैदान को अपने पक्ष में करने की योजना पर काम कर रही है।

एनडीए का सबसे बड़ा फायदा यह है कि उसके पास वोटों का एक स्थिर कोर आधार है और शासन की निरंतरता की छवि बनी हुई है। लेकिन एंटी-इनकम्बेंसी, बेरोजगारी और ग्रामीण ढाँचों में ठहराव जैसे मुद्दे उनके लिए सिरदर्द बन सकते हैं।

बिहार के इस राजनीतिक त्रिकोण में सबसे दिलचस्प और नया पैदा हुआ कारक हैं प्रशांत किशोर (पीके)। उन्होंने रणनीतिकार से जननेता बनने की जो यात्रा शुरू की, वह अब निर्णायक दौर में पहुँची है। उनका जन सुराज अभियान पिछले दो वर्षों से गाँव-गाँव में सक्रिय रहा है। वे न तो स्वयं को किसी पारंपरिक पार्टी की तरह प्रश्तुत कर रहे हैं और न किसी गठबंधन का हिस्सा हैं।

उनका संदेश सीधा है-"सिस्टम को बदलने के लिए राजनीति में साफ और नई सोच लानी होगी। " प्रशांत किशोर का यह प्रयोग बिहार की राजनीति की जमीनी सच्चाई को चुनौती देता है। वे युवाओं और शिक्षित तबके में धीरे-धीरे एक विकल्प के रूप में उभर रहे हैं।

हालाँकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि वे बड़े पैमाने पर सीटें जीतेंगे, लेकिन उनका प्रभाव दो श्तरों पर होगा। वोट कटवा असरः कई क्षेत्रों में वे परंपरागत दलों का समीकरण बिगाड़ सकते हैं।

विचारधारात्मक बदलावः उनकी राजनीति भ्रष्टाचार विरोधी और विकास-केंद्रित विमर्श को चुनावी बहस के केंद्र में ला रही है। अगर उनका अभियान थोड़ा भी जनसमर्थन जुटाने में सफल रहता है, तो यह बिहार में तीसरी शक्ति के उदय की भूमिका लिख सकता है।

गौरतलब है कि बिहार की राजनीति बिना जातीय समीकरणों के समझी ही नहीं जा सकती। यादव, कुशवाहा, भूमिहार, राजपूत और मुसलमानों के बीच सामंजस्य और टकराव हमेशा परिणामों को प्रभावित करते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक नया सामाजिक तबका, युवा और प्रवासी मजदूर वर्ग, निर्णायक बनकर उभर रहा है।

प्लेटफॉर्मों के उदय ने इस बार चुनावी प्रचार के तरीके को भी बदल दिया है। अब गाँवों तक व्हाट्सऐप समूह और सोशल अभियानों के माध्यम से राजनीतिक विमर्श पहुँच रहा है और यहाँ पर प्रशांत किशोर जैसे नेताओं की रणनीतिक क्षमता का उन्हें फायदा हो सकता है।

इस चुनाव की सबसे बड़ी बहस विकास बनाम विश्वसनीयता की होगी। नीतीश कुमार कहेंगे कि उन्होंने राज्य को बुनियादी ढाँचे और शासन में सुधार दिया, जबकि विरोधी पक्ष यह पूछेगा कि इतने वर्षों में युवाओं के लिए अवसर क्यों नहीं बढ़े।

तेजस्वी यादव रोजगार और सामाजिक न्याय का नारा देंगे; भाजपा मोदी के नाम और केंद्रीय योजनाओं की बदौलत वोट जुटाने की कोशिश करेगी और प्रशांत किशोर नई राजनीति की बात करेंगे। नतीजतन, यह चुनाव किसी एक मुद्दे या व्यक्ति पर निर्भर नहीं रहेगा-बल्कि यह आस्था, असंतोष और आकांक्षा के मिश्रण से तय होगा।

बिहार के 2025 के चुनाव इसलिए रोचक हैं क्योंकि तीन पीढ़ियाँ और तीन दृष्टिकोण आमने-सामने हैं। नीतीश कुमार, जिनकी राजनीति स्थिरता और अनुभवी शासन का प्रतीक है। तेजस्वी यादव, जो परिवर्तन और युवा आकांक्षाओं के वाहक हैं। प्रशांत किशोर, जो मौजूदा राजनीति को बदलने की चुनौती दे रहे हैं।

यह चुनाव यह तय करेगा कि बिहार पुरानी राजनीति की सीमाओं में रहेगा या सोच के नए अध्याय की ओर कदम बढ़ाएगा। चाहे परिणाम कुछ भी हो, इतना तो तय है कि इस बार बिहार का जनादेश केवल सरकार नहीं, बल्कि देश की राजनीति की दिशा भी तय करेगा।

शिक्षित वर्ग में जातीय पूर्वाग्रह का स्थायित्व

संविधान ने समानता और सामाजिक न्याय के आदर्शों को स्थापित किया, परंतु भारतीय समाज में जाति चेतना अभी भी गहराई से विद्यमान है। शिक्षित और शहरी वर्गों में यह चेतना प्रत्यक्ष भेदभाव के बजाय सूक्ष्म रूपों में प्रकट होती है- जैसे रोजगार, विवाह और सामाजिक नेटवर्क में। आर्थिक प्रगति और आधुनिकता ने जाति को कमजोर किया है, पर समाप्त नहीं किया। व्यावसायिक क्षेत्रों में जातीय सामाजिक पूँजी अब भी अवसरों और संपर्कों को प्रभावित करती है। जब तक मानसिकता और व्यवहार में समानता स्थापित नहीं होती, तब तक संवैधानिक समानता का आदर्श अधूरा रहेगा।

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

भारतीय समाज की संरचना में जाति एक ऐसी संस्था रही है जिसने व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक उसके जीवन को प्रभावित किया है। संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था जहाँ व्यक्ति की पहचान उसकी योग्यता, नैतिकता और कर्म पर आधारित हो, न कि जन्मजात सामाजिक वर्ग पर।

इसी उद्देश्य से संविधान में समानता का अधिकार, अवसरों की समानता, और अस्पृश्यता के उन्मूलन जैसी कई सुरक्षा धाराएँ जोड़ी गईं। किंतु सात दशक से अधिक बीत जाने के बाद भी यह स्वीकार करना होगा कि जाति की चेतना केवल गाँवों तक सीमित नहीं रही; उसने शिक्षित, शहरी और व्यावसायिक तबकों में भी अपने रूप बदले हुए स्वरूप में अशितत्व बनाए रखा है।

संविधान ने अनुच्छेद 14 से 17 के माध्यम से स्पष्ट रूप से सभी नागरिकों को समानता और सम्मान का अधिकार दिया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इसे केवल विधिक समानता का नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता का माध्यम बताया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक असमानता बनी रही तो राजनीतिक समानता टिक नहीं सकेगी। यह चेतावनी आज भी प्रासंगिक प्रतीत होती है, क्योंकि कानून की शक्ति के बावजूद समाज की मानसिकता में गहराई से जमी जाति-आधारित सोच पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाई है।

शिक्षा को सामाजिक चेतना का वाहक माना जाता है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से शिक्षित वर्ग में भी जातीय पूर्वाग्रह सूक्ष्म और परिष्कृत रूपों में जीवित हैं। विश्वविद्यालयों और पेशेवर संस्थानों में प्रवेश के दौरान, सहकर्मी संबंधों में या सामाजिक नेटवर्किंग में अक्सर जाति एक अनकही पहचान के रूप में उपस्थित रहती है। 'मेरिट' की चर्चा करते हुए कई बार लोग आरक्षण नीति को लेकर पूर्वाग्रह रखते हैं और यह मान बैठते हैं कि आरक्षित वर्गों के लोग स्वाभाविक रूप से कम योग्य हैं। यह धारणा आधुनिक भारत के शिक्षित तबके में भी समानता के सिद्धांत को चुनौती देती है।

शहरीकरण और औद्योगीकरण को जातीय सीमाओं को तोड़ने वाला माना गया था। परंतु व्यवहार में देखा जाए तो शहरों में भी जातीय चेतना नई संरचनाओं में पुनर्जीवित हुई है। उदाहरण के लिए, महानगरों में भी अधिकांश लोग अपने ही जाति-समूहों में विवाह करते हैं। 'मैट्रिमोनी वेबसाइट्स' पर जाति और उपजाति आज भी प्रमुख फिल्टर के रूप में मौजूद हैं। इसका अर्थ यह है कि आर्थिक प्रगति और आधुनिकता ने बाहरी व्यवहार को तो बदला है, परंतु सामाजिक मनोविज्ञान अब भी जाति के घेरे से मुक्त नहीं हो सका है।

व्यावसायिक क्षेत्रों में भी जाति की उपस्थिति को नकारा नहीं जा सकता। पारंपरिक रूप से व्यापार और व्यवसाय कुछ खास जातियों के वर्चस्व में रहे हैं, और आधुनिक कॉर्पोरेट ढाँचे में भी यह प्रवृत्ति अप्रत्यक्ष रूप से जारी है। नेटवर्किंग, निवेश और अवसरों तक पहुँच में जातीय सामाजिक पूँजी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उदाहरणस्वरूप, किसी व्यापारिक समुदाय के सदस्य एक-दूसरे को व्यवसायिक सहयोग देना अधिक सहज समझते हैं। इसी तरह नौकरियों में भर्ती या पदोन्नति के दौरान 'सांस्कृतिक मेल' या 'नेटवर्क फिट' जैसे अस्पष्ट मानदंडों के तहत कई बार सामाजिक पूर्वाग्रह सक्रिय रहते हैं।

राजनीतिक रूप से भी जाति चेतना ने आधुनिक लोकतंत्र में नई ऊर्जा प्राप्त की है। शहरी मध्यम वर्ग स्वयं को अक्सर जाति से ऊपर बताता है, लेकिन चुनावों के दौरान वही वर्ग जातिगत पहचान के आधार पर अपनी निष्ठा तय करता दिखाई देता है। जातीय संगठन, छात्र संघ और पेशेवर एसोसिएशन अब अपनी जातिगत पहचान को अधिकारों की माँग से जोड़ रहे हैं। इस तरह जाति अब केवल सामाजिक संस्था नहीं रही, बल्कि यह 'राजनीतिक संसाधन' और 'सामाजिक पूँजी' का रूप ले चुकी है। भारत में शहरी क्षेत्रों में जाति का यह रूप प्रकट भेदभाव की अपेक्षा सांकेतिक भेदभाव के रूप में उभरता है। किसी को उसकी जाति के कारण सीधे अपमानित करना अब कानूनन अपराध है, परंतु सूक्ष्म रूपों में यह मानसिकता सामाजिक जीवन में व्याप्त रहती है। उदाहरण के लिए, किसी कर्मचारी के सामाजिक पृष्ठभूमि का उपहास करना, आरक्षण को लेकर तंज कसना, या सहकर्मी के साथ सामाजिक दूरी बनाकर रखना-ये सब जाति-आधारित पूर्वाग्रह के ही रूप हैं।

डिजिटल युग में जातीय चेतना ने एक नया माध्यम प्राप्त किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर जातीय समूहों के पेज, संगठन और समुदाय अपने गौरव और इतिहास का प्रचार करते हैं। यह सांस्कृतिक आत्मसम्मान का प्रतीक हो सकता है, लेकिन कई बार यह प्रतिस्पर्धात्मक जातीयता में बदल जाता है, जिससे समाज में नये विभाजन पैदा होते हैं। 'हम' बनाम 'वे' की मानसिकता अब वर्चुअल दुनिया में भी कायम है।

आर्थिक उदारीकरण के बाद माना गया था कि वैश्विक बाजार और निजी क्षेत्र में योग्यता ही सर्वोपरि होगी। परंतु 1990 के दशक से लेकर आज तक के अध्ययन यह दर्शाते हैं कि कॉर्पोरेट सेक्टर में भी दलित और पिछड़े वर्गों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम है। निजी क्षेत्र में आरक्षण का प्रावधान नहीं होने के कारण यह असमानता और बढ़ी है। परिणामस्वरूप, आधुनिकता और बाजारवाद ने समान अवसरों का भ्रम तो दिया, परंतु जातीय असमानता की वाश्तविकता को समाप्त नहीं कर पाया।

शहरी मध्यम वर्ग का एक बड़ा हिस्सा जाति को औपचारिक रूप से अस्वीकार करता है, परंतु अनौपचारिक जीवन में यह वर्ग जाति-संबंधी पहचानों का उपयोग करता है। यह विरोधाभास आधुनिक भारत की सामाजिक जटिलता को दर्शाता है। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति कार्यालय में स्वयं को उदारवादी बताता है, लेकिन विवाह के लिए अपने बच्चों के लिए जाति आधारित विकल्प ही स्वीकार करता है। इस दोहरे व्यवहार से स्पष्ट होता है कि जाति का सामाजिक प्रभाव अब भी जीवन के सबसे निजी निर्णयों तक पहुँचा हुआ है।

जातीय चेतना की निरंतरता का एक कारण यह भी है कि समाज में जाति अब केवल उत्पीड़न का प्रतीक नहीं, बल्कि पहचान और समुदाय के सहारे के रूप में भी देखी जाने लगी है। विशेषकर आरक्षण और सामाजिक न्याय की राजनीति के बाद वंचित समूहों ने जाति को अपने अधिकारों की रक्षा का माध्यम बनाया है। इससे जाति का एक 'सकारात्मक विमर्श' भी उभरा है, जो आत्मसम्मान और प्रतिनिधित्व की बात करता है। किंतु इस प्रक्रिया में जाति की सीमाएँ पूरी तरह समाप्त नहीं हुईं, बल्कि उनका रूपांतर हो गया। सामाजिक वैज्ञानिकों का मानना है कि भारतीय शहरी समाज में अब जाति एक "रिसोर्स नेटवर्क" बन चुकी है। यह पारंपरिक बंधन से निकलकर आधुनिक संपर्क माध्यम बन गई है। नौकरी, व्यवसाय या राजनीति में यह अब भी विश्वास, सहयोग और संसाधनों के वितरण का आधार है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आधुनिकता ने जाति को खत्म नहीं किया, बल्कि उसे नए रूप में ढाल दिया।

संवैधानिक सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करते समय यह भी समझना आवश्यक है कि कानून केवल ढाँचा प्रदान कर सकता है, लेकिन सामाजिक चेतना का परिवर्तन धीरे-धीरे ही होता है। शिक्षा और आर्थिक प्रगति ने जातीय असमानता को चुनौती दी है, परंतु सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन की गति धीमी है। जब तक सामाजिक सम्मान, अवसर और पहचान का आधार व्यक्ति की व्यक्तिगत योग्यता न होकर समूहगत पहचान रहेगी, तब तक जातीय चेतना बनी रहेगी।

समाजशास्त्री आंद्रे बेतिए, एम.एन. श्रीनिवास और गोपीनाथ मोहंती जैसे विचारकों ने बार-बार यह बताया कि भारत में शहरीकरण का अर्थ पारंपरिक ढाँचों का पूर्ण विघटन नहीं, बल्कि उनका पुनर्संयोजन है। यानी, गाँव की जाति व्यवस्था का बाहरी रूप भले टूटे, पर उसकी मानसिकता शहर में नए रूप में पुनः निर्मित हो जाती है। यही कारण है कि आईटी सेक्टर, मीडिया, शिक्षा, और चिकित्सा जैसे आधुनिक क्षेत्रों में भी जाति से जुड़ी असमानताएँ सूक्ष्म रूपों में विद्यमान हैं।

जातीय चेतना की यह निरंतरता भारतीय लोकतंत्र के लिए एक चुनौती भी है और अवसर भी। चुनौती इसलिए कि यह समानता और सामाजिक न्याय के आदर्शों को सीमित करती है, और अवसर इसलिए कि इस चेतना को सामाजिक न्याय के व्यापक विमर्श में बदला जा सकता है। यदि जाति का प्रयोग उत्पीड़न के बजाय प्रतिनिधित्व और सहयोग के साधन के रूप में किया जाए, तो यह सामाजिक सामंजस्य को बल दे सकती है।

आगे का मार्ग शिक्षा, संवेदनशीलता और नीति-निर्माण के संयोजन में निहित है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सामाजिक विविधता और समानता पर आधारित मूल्य शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। कार्यस्थलों पर विविधता को बढ़ावा देने के लिए एथिक्स कोड, समान अवसर आयोग और असमानता पर स्वतंत्र ऑडिट प्रणाली जैसी व्यवस्थाएँ उपयोगी हो सकती हैं। मीडिया और जनसंचार माध्यमों को भी जातीय रूढ़ियों को तोड़ने और समानता के आदर्श को प्रचारित करने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

भारत का संविधान केवल विधि का दश्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का घोषणापत्र है। इसकी भावना यह कहती है कि व्यक्ति का मूल्य उसके कर्म से आँका जाए, न कि उसके जन्म से। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षित और कार्यरत वर्ग-जो समाज में अनुकरणीय भूमिका निभाता है-वह स्वयं इस परिवर्तन का नेतृत्व करे। जब तक सामाजिक सम्मान, अवसर और व्यवहार में जाति की भूमिका समाप्त नहीं होगी, तब तक समानता का सपना अधूरा रहेगा।

अंततः कहा जा सकता है कि भारत का समाज परिवर्तनशील है, किंतु जाति चेतना उसकी सबसे गहरी जड़ है। संविधान ने हमें दिशा दी, लेकिन सामाजिक यथार्थ ने अब तक उस दिशा में पूर्ण यात्रा नहीं की। शहरीकरण, शिक्षा और रोजगार ने जाति को कमजोर अवश्य किया है, परंतु उसका प्रभाव अभी समाप्त नहीं हुआ। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि वह कानून और व्यवहार, दोनों में समानता का आदर्श साकार करे। तभी हम उस भारत की कल्पना को साकार कर पाएँगे जहाँ व्यक्ति की पहचान उसकी जाति नहीं, बल्कि उसकी मानवीयता होगी।

अस्थिर गठबंधन और युवा बनाम अनुभवी नेतृत्व की जंग

अशोक मधुप

बिहार का 2025 विधानसभा चुनाव राजनीतिक अस्थिरता, नए सिरे से बने गठबंधनों, और युवा बनाम अनुभवी नेतृत्व के बीच सीधे मुकाबले के कारण भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन चुका है। यह चुनाव न केवल राज्य के शासन की दिशा तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय श्तर पर भी राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

इस बार का चुनावी परिदृश्य पिछले चुनावों से कई मायनों में अलग है, खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बार-बार पाला बदलने ने इस जंग को और भी दिलचस्प बना दिया है। यह चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राजनैतिक भविष्य भी तै करेगा।

बिहार की राजनीति हमेशा से ही गठबंधनों के टूटने और बनने के लिए जानी जाती है, लेकिन 2025 के चुनाव से पहले का घटनाक्रम अभूतपूर्व रहा। जनवरी 2024 में, जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेतृत्व वाले महागठबंधन को छोड़कर नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ मिलकर सरकार बनाई। इस बार एनडीए में प्रमुख रूप से बीजेपी, जदयू और जीतन राम मांझी की हिंदुश्तानी आवाम मोर्चा (एचएएम) शामिल हैं।

एनडीए गठबंधन विकास और सुशासन के पुराने एजेंडे पर भरोसा कर रहा है, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रीय चेहरा एक बड़ा फैक्टर है। हालांकि, नीतीश कुमार के दल-बदल से उपजी विश्वसनीयता का संकट एनडीए के लिए एक चुनौती है। सीट बंटवारे को लेकर कुछ छोटे सहयोगियों में असंतोष की खबरें और मगध जैसे कुछ क्षेत्रों में पिछले चुनाव में एनडीए का कमजोर प्रदर्शन इस गठबंधन के लिए चिंता का विषय है। नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने के बाद, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के युवा नेता तेजस्वी यादव महागठबंधन के एकमात्र और निर्विवाद नेता बन गए हैं। इस गठबंधन में आरजेडी, कांग्रेस, और वाम दल (CPI, CPI-ML) शामिल हैं। महागठबंधन का मुख्य फोकस तेजस्वी यादव के 'रोजगार और विकास' के वादे पर है। तेजस्वी, अपने पिता लालू प्रसाद यादव के सामाजिक न्याय के आधार को आर्थिक न्याय के साथ जोड़कर एक नया राजनीतिक विमर्श बनाने की कोशिश कर रहे हैं। तेजस्वी यादव खुद को परिवर्तनकारी नेता के रूप में पेश कर रहे हैं, जो 'डबल इंजन' सरकार की कथित विफलता और पुराने जंगलराज के आरोपों का मुकाबला 'युवा और विजनरी' नेता की छवि से कर रहे हैं।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा से ही निर्णायक रहे हैं। इस चुनाव में भी '4 C' (कास्ट, कैंडिडेट, कैश और कोऑर्डिनेशन) फैक्टर महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। जीतन राम मांझी (HAM) और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (VIP) जैसे छोटे क्षेत्रीय दल, जो क्रमशः मुसहर और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) के मतदाताओं पर प्रभाव रखते हैं, निर्णायक साबित हो सकते हैं। VIP, जो अब महागठबंधन में है, मिथिलांचल क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ के कारण गठबंधन को मजबूती दे सकता है।

यादव-मुस्लिम (MY) समीकरण RJD का पारंपरिक आधार है, जबकि NDA कुर्मी-कोइरी के साथ मिलकर अगड़ी जातियों और दलितों के एक हिस्से को साधने की कोशिश कर रहा है।

यह चुनाव केवल गठबंधन की राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनहित के मुद्दों पर भी लड़ा जा रहा है। तेजस्वी यादव ने 10 लाख सरकारी नौकरियों का अपना पुराना वादा दोहराया है, जो राज्य के युवा मतदाताओं के बीच एक बड़ा चुनावी मुद्दा है। एनडीए 'जंगलराज' के आरोपों को फिर से हवा दे रहा है, लेकिन तेजस्वी यादव ने इस बार इसे 'डबल जंगलराज' कहकर पलटवार किया है। वे मौजूदा NDA सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

दोनों गठबंधन राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास पर अपने-अपने दावों के साथ मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। शुरुआती सर्वे (2025 की शुरुआत में) NDA को बढ़त दिखाते रहे हैं, लेकिन तेजस्वी की ताबड़तोड़ रैलियों और महागठबंधन के जमीनी प्रचार ने मुकाबला काँटे की टक्कर में बदल दिया है।

बिहार का चुनावी परिणाम बहुत हद तक काँटे की टक्कर में फंसा हुआ दिखता है, जहाँ जीत-हार का फैसला कुछ ही सौ वोटों के अंतर से हो सकता है (जैसा कि 2020 में हिल्सा जैसी सीटों पर हुआ था)।

तेजस्वी यादव के लिए यह चुनाव उनकी राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की क्षमता की सबसे बड़ी परीक्षा है। तो यह चुनाव नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत पर एक जनमत संग्रह भी होगा, जिनके बार-बार पाला बदलने की आलोचना हो रही है। एनडीए के भीतर, यह भाजपा की ताकत को भी परखेगा कि क्या वह अपने सहयोगियों पर निर्भरता कम करके खुद को राज्य की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित कर सकती है।

इस बार के चुनाव में पहली बार 'जन सुराज पार्टी ' नामक एक नया राजनैतिक दल भी बिहार की राजनीति में अपनी ज़ोरदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है।'जन सुराज पार्टी ' जैसे किसी नवगठित दल द्वारा अपने पहले ही चुनाव में राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। बड़ी बात यह है कि इस पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार शिक्षित,बुद्धिजीवी,पूर्व नौकर शाह,पूर्व आई ए एस,आई पी एस,वैज्ञानिक,गणितज्ञ तथा शिक्षाविद हैं जबकि चुनाव मैदान में कूदे अन्य पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों की शिक्षा,उनके आचरण, चरित्र व योग्यता के विषय में कुछ अधिक बताने की ज़रुरत ही नहीं। बहरहाल इस नये नवेले राजनैतिक दल 'जन सुराज पार्टी ' के संस्थापक व अकेले रणनीतिकार व स्टार प्रचारक वही प्रशांत किशोर हैं, जो नरेंद्र मोदी व भाजपा से लेकर देश के अधिकांश राजनैतिक दलों व नेताओं के लिये एक पेशेवर के रूप में चुनावी रणनीति तैयार करने के बारे में जाने जाते हैं। देश के विभिन्न राजनैतिक दलों को अपनी रणनीति का लोहा मनवाने के बाद मूल रूप से बिहार के ही रहने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी योग्यता का प्रयोग सर्वप्रथम अपने ही राज्य के विकास के लिये करने का निर्णय लिया और 2022 में बिहार की जनता को जागरूक करने व उन्हें उनकी व पूरे राज्य की बदहाली के मूल कारणों से अवगत कराने के मक़सद से बिहार में 'जन सुराज अभियान' चलने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद ही उन्होंने राज्य में लगभग 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा भी की। देखना है कि बिहार की राजनीति में यह कितना परिवर्तन लाने में सफल होते हैं।

संक्षेप में, बिहार 2025 का चुनाव स्थिरता बनाम परिवर्तन, अनुभव बनाम युवा ऊर्जा, और पुराने जातिगत आधार बनाम नए आर्थिक विमर्श के बीच का संघर्ष है। मतगणना के दिन तक, राज्य की 243 सीटों पर अनिश्चितता का माहौल बना रहेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

69000 शिक्षक भर्ती : आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने मायावती के आवास के बाहर की नारेबाजी, मिलने पर अड़े रहे

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में रविवार को मॉल एवेन्यू स्थित मायावती के आवास के बाहर 69000 शिक्षक भर्ती के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए बसपा सुप्रीमो से उनके समर्थन में आने की मांग की। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोका तो अभ्यर्थी पूर्व मुख्यमंत्री से मिलने की मांग पर अड़े रहे।

पुलिस की कार खड़े ट्रक में घुसी...दो की मौत, पांच घायल ; राजस्थान से दबिश देकर लौट रही थी टीम

आगरा , एजेंसी। आगरा के फतेहपुरसीकरी क्षेत्र में रविवार सुबह पुलिस की कार हादसे का शिकार हो गई। जयपुर हाईवे पर कार खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में एक पुलिसकर्मी समेत दो लोगों की मौत हो गई। पांच लोग घायल हैं। आगरा के थाना निबोहरा में दर्ज एक गुमशुदगी के मामले में पुलिस टीम सूरतगढ़, राजस्थान में दबिश देने गई थी। रविवार सुबह पांच बजे करीब टीम वापस लौट रही थी। फतेहपुर सीकरी क्षेत्र में जयपुर हाईवे स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पास कार खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे से चीखपुकार मच गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस पहुंच गई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। हादसे में निबोहरा थाने में तैनात हेड कांस्टेबल गौरव प्रताप सिंह एवं कार चालक देव पुत्र मंगल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। उपनिरीक्षक गौरव कुमार सहित पांच लोग घायल हो गए।

मकान की रजिस्ट्री कराने पहुंची महिला के अपहरण का प्रयास

रायबरेली , एजेंसी। उप निबंधन कार्यालय सदर में मकान की रजिस्ट्री कराने पहुंची एक महिला का न सिर्फ अपहरण का प्रयास किया गया, बल्कि विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी हुई। पुलिसकर्मियों ने पहुंचकर अपहरणकर्ताओं के चंगुल से महिला को छुड़ाया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने राही ग्राम प्रधान समेत 25 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मिल एरिया थाना क्षेत्र के राही गांव की रहने वाली निर्मला देवी के मुताबिक वह अपने पुश्तैनी मकान में रहती हैं। बेटे व बहू द्वारा सेवा न करने पर राकेश बहादुर उनकी देखभाल करते हैं। शनिवार सुबह ग्राम प्रधान अपने साथियों के साथ जेसीबी व ट्रैक्टर-ट्राली लेकर घर आ गए। जेसीबी से उनका मकान ढहा दिया। घर में रखा सामान ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर चले गए। शाम पांच बजे राकेश के नाम मकान की रजिस्ट्री कराने पहुंची तो वहां पर भी ग्राम प्रधान समेत अन्य लोग पहुंच गए। महिला के मुताबिक आरोपियों ने जबरन उन्हें कार पर बैठाने का प्रयास किया। विरोध करने पर प्रधान व उनके साथियों ने मारपीट की। पुलिसकर्मियों के पहुंचने पर उनकी जान बची। महिला का आरोप है कि ग्राम प्रधान हिस्ट्रीशीटर है। सदर कोतवाली प्रभारी शिवशंकर सिंह ने बताया कि मिल एरिया थाना क्षेत्र के राही ग्राम प्रधान अमन जायसवाल, जहीर खान, जाकिर खान और शहर के जहानाबाद निवासी महमूद हसन, मकसूद हसन के अलावा चार-पांच महिलाएं व 10-15 लोगों पर केस दर्ज किया गया है।

अय्याश प्रोफेसर : पीएचडी की छात्रा का किया यौन शोषण

आगरा , एजेंसी। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की एक शोध छात्रा ने खंदारी कैंपस के स्कूल ऑफ बेसिक साइंस के प्रोफेसर पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। छात्रा का कहना है कि जब उसने शादी के लिए जोर दिया तो आरोपी प्रोफेसर ने पहले बदनाम करने और फिर पीएचडी में फेल करने की धमकी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दर्ज केस के अनुसार बरहन थानाक्षेत्र की रहने वाली छात्रा स्कूल ऑफ बेसिक साइंस की रिसर्च स्कॉलर है। पीएचडी के दौरान ही उसका स्कूल ऑफ बेसिक साइंस के केमिस्ट्री के प्रो. गौतम जैसवार से संपर्क हुआ। प्रोफेसर को-गाइड के तौर पर उसे पीएचडी करने में गाइडेंस दे रहे थे। शोध के लिए उसे अक्सर प्रो. गौतम से संपर्क करना पड़ता था। आरोप है कि इसी दौरान प्रोफेसर ने उसे बातों में फंसाकर शादी का झांसा देकर करीबी बढ़ा ली। करीब दो साल तक शारीरिक शोषण किया। जब उसने शादी के लिए जोर दिया तो मारपीट की। जब वह नहीं झुकी तो पहले विश्वविद्यालय में बदनाम करने की धमकी दी। फिर शिकायत करने पर शोध में फेल करने की धमकी देकर चुप करा दिया।दहशत में आई छात्रा ने अपने परिजन से पूरी बात बताई। इसके बाद शनिवार रात पुलिस से शिकायत की। रातभर चली प्रारंभिक जांच के बाद रविवार को पुलिस ने केस दर्ज किया। एसीपी हरीपर्वत अक्षय महाडिक ने बताया कि छात्रा की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है। आरोपों से जुड़े साक्ष्य जुटाकर मामले में जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

धराशाई हो गईं दुकानें... उजड़ गए सपने, 22 सेकंड और मलबे के ढेर में तब्दील हो गया कॉम्प्लेक्स

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के सेंट्रल मार्केट में कॉम्प्लेक्स के ध्वस्तीकरण के दौरान सुबह 11:51:58 बजते ही कुछ ही पलों में दुकानें धराशाई हो गई। इसके साथ ही प्रभावित दुकानदारों के सपने भी उजड़ गए। पहले दिन की कार्रवाई के बाद खंडहर दिख रहीं दुकानें पल भर में ही मलबे में तब्दील हो गईं।

धूल का गुबार ऐसा उठा कि आसपास मौजूद व्यापारियों, पुलिस की टीमों सहित अन्य लोगों को वहां से 500 मीटर दूर तक जाना पड़ा। धूल पर नियंत्रण के लिए पानी छिड़का गया।

जमींदोज करने से चंद सेकंड पहले ही हाइड्रा जेसीबी मशीन चालक ने आखिरी पिलर पर चोट की और अचानक वाहन तेजी के साथ पीछे कर दिया। यह देख आसपास के लोग घबरा गए और पूछा क्या हुआ तो चालक बोला... चिंता की बात नहीं, बस हो गया। उसके इतना कहते ही कॉम्प्लेक्स भरभराकर गिर गया।

22 सेकंड में जमींदोज अवैध कॉम्प्लेक्स: मेरठ के शास्त्रीनगर की सेंट्रल मार्केट में दूसरे दिन हाइड्रा एवं जेसीबी ड्रिल मशीन से 22 सेकंड में अवैध कॉम्प्लेक्स (661/6) को जमींदोज कर दिया गया। आक्रोशित व्यापारियों ने अनिश्चितकाल के लिए सेंट्रल मार्केट बंद करा दी। व्यापारियों ने कहा कि अन्य कोई निर्माण नहीं तोड़े जाने का आश्वासन मिलने के बाद ही धरना-प्रदर्शन खत्म किया जाएगा। मलबा हटाने के लिए तीन जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं।

रविवार को दूसरे दिन भी शास्त्रीनगर के सेंट्रल मार्केट

में अवैध कॉम्प्लेक्स को जमींदोज करने के लिए भारी पुलिस बल के बीच बैरिकेडिंग कर सुबह 10 बजे से काम शुरू किया गया। शाम चार बजे तक करीब 80 फीसदी हिस्सा जमींदोज कर दिया गया।

बराबर की अन्य दुकानों और घरों को नुकसान होने की आशंका के चलते अलंकार साड़ीज की तीन मंजिला दुकान को पूरी तरह नहीं गिराया गया।

अवैध कॉम्प्लेक्स जमींदोज होने पर सेंट्रल मार्केट के पांच व्यापारिक संगठनों ने एकजुटता का आह्वान कर अनिश्चितकाल के लिए बाजार बंद कर प्रदर्शन किया। टोलियों में व्यापारी बाजारों में घूमे और खुली दुकानों को बंद कराया।

बाद में धरना शुरू करते हुए सभी व्यापारियों ने मांग की कि जिला प्रशासन उन्हें लिखित में अन्य दुकानों को नहीं तोड़ने का आश्वासन दे। इस दौरान जनप्रतिनिधियों को लेकर भी उनका गुस्सा फूटा और उनके खिलाफ नारेबाजी की। व्यापारियों ने शाम को काली पट्टी बांधकर जुलूस भी निकाला।

मेरठ में सेंट्रल मार्केट में भूखंड संख्या 661 पर अवैध कॉम्प्लेक्स का बड़ा हिस्सा भरभराकर गिरते ही जमीन और आसपास के भवन भी दहल गए। गिरे हुए मलबे के बीच अलंकार साडीज की खंडहर दुकान पर हाइड्रा जेसीबी चलाने से रोक दिया गया। आशंका थी कि इससे पड़ोस के आवासीय भवनों को नुकसान पहुंच सकता है।

आवास विकास परिषद के अधिकारियों ने सबसे पहले जेसीबी और हाइड्रा जेसीबी से कॉम्प्लेक्स का पूर्वी और दक्षिणी हिस्से पर वार किया गया और दुकानों को ढहाया गया। रविवार को इमारत भरभराकर गिरकर मलबे में तब्दील हो गई। इसके बाद जैसे ही कर्मचारियों ने अलंकार साडीज की दुकान को ध्वस्त करने का प्रयास किया तो कुछ व्यापारियों और पुलिस ने रोक दिया। तर्क दिया गया कि बिल्डिंग पूरी तरह हिल चुकी है।

बराबर में भूखंड संख्या 662 पर आवास है। अगर मलबा इस आवास पर गिर गया तो भारी नुकसान हो सकता है। इसके बाद यह निर्णय लिया गया कि इस तीन मंजिला दुकान के खंडहर को अब मजदूरों से हथौड़ा व अन्य औजारों से तुड़वाया जाएगा। पुलिस ने पड़ोसी मकान से भवन स्वामी सुभाष के परिवार को पहले ही निकाल दिया था। हालांकि दिन में एक-दो बार कुछ लोग मकान के गेट पर दिखाई भी दिए।

मलबा उठाने में लगेगा समय : आवास एवं विकास परिषद के अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार का कहना है कि कॉम्प्लेक्स का मलबा उठाने में अभी कुछ दिन का समय लगेगा। धूल और गुबार को नियंत्रित करने के लिए पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

बरेली में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर बोले- यूपी में पहले तमंचे बनते थे, अब बन रही मिसाइल

बरेली , एजेंसी। यूपी में पहले तमंचे बनते थे, अब मिसाइल बन रही है। पूर्व की सरकार में बंदी की कगार पर खड़ी हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स में अब तेजस लड़ाकू विमान बन रहे हैं। इसी तेजस के दम पर हमारी वायुसेना विश्व में तीसरे पायदान पर आ गई है, जबकि चीन चौथे नंबर पर है। डबल इंजन सरकार की यह सोच देश-प्रदेश की प्रगति व आत्मनिर्भर भारत के विजन को दर्शाती है। ये बातें रविवार को बरेली के जीआईसी सभागार में आयोजित आत्मनिर्भर भारत युवा सम्मेलन में जिले के प्रभारी व प्रदेश के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहीं।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश बदल रहा है। ओडीओपी का कार्य तेजी से बढ़ा है। हर जिले के अलग-अलग उत्पाद राष्ट्रीय पटल पर छाए हुए हैं। बरेली की जरी-जरदोजी देशभर में चमक रही है। महापौर उमेश गौतम ने कहा कि प्रदेश आत्मनिर्भर बन रहा है। लोग स्वदेशी चीजों का प्रयोग कर रहे है। दिवाली पर लोगों ने स्थानीय वस्तुओं का प्रयोग कर इसका उदाहरण पेश किया। अगर आप में क्षमता है तो आपको आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। 10 साल की बच्ची आज गुड़िया बनाकर करोड़ों रुपये की कंपनी चला रही है। दादी की बर्फी पूरे देश में प्रसिद्ध है। इस दौरान भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, अधीर सक्सेना, अमन सक्सेना, हर्षित चौधरी, दर्पण पाठक, गौरव शर्मा मौजूद रहे।

बरेली में हुए उपद्रव का किया जिक्र : प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था अब सुरक्षित हाथों में है। पूर्व की सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया बनाए। अब ये माफिया समाप्त हो चुके हैं। कुछ दिन पहले बरेली के ऐसे ही एक माफिया को जेल भेजने का काम प्रदेश सरकार ने किया है। पहले प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए माफिया की अनुमति लेनी पड़ती थी, अब उद्यमी स्वतंत्र होकर निवेश कर रहे हैं।

आधे घंटे की पार्किंग का शुल्क 20 रुपये, 15 मिनट का 3 गुना; विरोध करने पर मारपीट की शिकायत

वाराणसी , एजेंसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बाबतपुर पर मनमाने तरीके से पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। कार पार्किंग के लिए 30 मिनट का तय शुल्क 20 रुपये है लेकिन 15 मिनट तक ठहरने वाले कार चालकों से भी 60 रुपये वसूले जा रहे हैं। एयरपोर्ट पर रोजाना 1200 से ज्यादा कार आती-जाती है।

बाबतपुर एयरपोर्ट पर पार्किंग का मनमाना शुल्क वसूलने का मामला शनिवार की देर शाम सामने आया। जौनपुर से रिश्तेदार को लेने एयरपोर्ट पहुंचे संदीप यादव को 15 मिनट के लिए तीन गुना शुल्क देना पड़ा। संदीप ने इसका विरोध किया और कर्मचारियों से शिकायत दर्ज कराई।

संदीप का आरोप है कि कर्मचारी मारपीट पर उतारू हो गए इसलिए मामले की शिकायत एक्स के जरिये एयरपोर्ट अथारिटी ऑफ इंडिया से करनी पड़ी है। कर्मचारी ज्यादातर लोगों से नकद ही शुल्क वसूल रहे थे।

मारपीट की शिकायत: वाराणसी के राहुल ने बताया कि एयरपोर्ट पर हर तीसरे-चौथे दिन आना-जाना होता है। 10 मिनट रुकना हो या 30 मिनट, कार पार्किंग का शुल्क 60 रुपये ही लिया जाता है। इसके लिए कई बार कर्मचारियों से कहासुनी हो चुकी है। आजमगढ़ के देवगांव से आए मो. उजैर ने बताया कि यात्री को छोड़ कर 20 मिनट के भीतर ही लौट आया, फिर भी कार के लिए तीन गुना शुल्क देना पड़ा है।

आजमगढ़ से आए अर्जुन यादव ने बताया कि अक्सर एयरपोर्ट आना-जाना होता है। परिजनों को पिक या ड्रॉप करने में मुश्किल से 10 से 15 मिनट लगते हैं। इसके बावजूद मनमाना शुल्क वसूला जाता है।

एक घंटे से ज्यादा समय तक ठहर गया तो 120 या उससे ज्यादा की वसूली हो जाती है जबकि कार चालक से दो घंटे का 55 रुपये शुल्क वसूलने का प्रावधान है। कई बार कोच, बस, ट्रक, टेंपो, मिनी बस और बाइक चालकों से भी तीन गुना शुल्क वसूले जाते हैं। इसकी रसीद नहीं दी जाती है।

बदायूं में मुठभेड़: किन्नर के घर से एक करोड़ से अधिक की चोरी करने वाले नौ बदमाश गिरफ्तार, गोली लगने से दो घायल

बदायूं , एजेंसी। बदायूं के थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र में सोमवार तड़के पांच बजे के करीब पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए नौ बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। बदमाशों के कब्जे से 700 ग्राम सोने के आभूषण, दो किलो चांदी के आभूषण, आठ लाख नकद व तमंचा कारतूस बरामद किए हैं।

एसपी देहात ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि ओरछी निवासी किन्नर टीना के घर हुई एक करोड़ से अधिक की चोरी के मामले में पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही थी। मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश चोरी करने के उद्देश्य से गनगोली में देखे गए हैं। इस सूचना पर थाना पुलिस ने सोमवार तड़के पांच बजे बदमाशों की घेराबंदी कर ली।

बदमाशों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने अपने बचाव में भी फायरिंग की, जिससे दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने घेराबंदी कर नौ बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाशों को

जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। अन्य बदमाशों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

इन बदमाशों को लगी गोली

जिला अमरोहा के थाना नौगवा के गांव खेड़ा उपरोला के रहने वाले नाजिम व करमल्लीपुर निवासी तैय्यब को मुठभेड़ के दौरान गोली लगी है। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। उनका उपचार चल रहा है।

यह बदमाश हुए गिरफ्तार

मुठभेड़ में चंदौसी निवासी अरविंद गौतम, अमरोहा के नाजिम, मोईन, तैय्यब, संभल के असफाक उर्फ कांति, नदीम, शिब्बू उर्फ शोएब, फुरकान उर्फ फकरुद्दीन व सोहेल को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चोरी हुए सोने-चांदी के जेवर व 8.35 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। बदमाशों पर चोरी डकैती के 12 से अधिक मुकदमा विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

कार्तिक मेले के लिए मौहारी बाग में बनेगा अस्थायी स्टेशन

रायबरेली , एजेंसी। कार्तिक पूर्णिमा पर पांच नवंबर को डलमऊ में लगने वाले मेले और शाही स्नान को लेकर परिवहन निगम ने तैयारी शुरू कर दी है। परिवहन निगम श्रद्धालुओं को गंगा घाटों तक पहुंचाने के लिए 50 से अधिक बसें डलमऊ रूट पर संचालित करेगा।

शहर के साथ ही हलोर, तिलोई, बछरावां समेत अन्य स्थानों से बसों का संचालन होगा। डलमऊ के दिलावरपुर के पास मौहारी बाग में अस्थायी बस स्टेशन बनेगा। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को पत्र भेजा है।

कार्तिक पूर्णिमा पर डलमऊ में ऐतिहासिक मेला लगता है। यह मेला कई दिनों तक चलता है। सबसे अधिक लोग गंगा में डुबकी लगाने के लिए डलमऊ के घाटों पर ही पहुंचते हैं। जिले के अलावा अमेठी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, बाराबंकी, फतेहपुर आदि जिलों के लोग भी यहां डुबकी लगाने के लिए पहुंचते हैं। गंगा स्नान के लिए इस बार परिवहन निगम ने 50 से अधिक बसें लगाई हैं। 10 बसों को रिजर्व रखा गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों से भी बसों के संचालन की कार्ययोजना है। सेहंगो-बछरावां-रायबरेली होते ही बस डलमऊ पहुंचेगी। तिलोई से चलने वाली बसें भी कई कस्बों से होते हुए डलमऊ पहुंचेंगी। बाराबंकी के हैदरगढ़ से भी कई बसें लगाई गई हैं। डलमऊ से पहले सरायं दिलावर गांव के पास अस्थायी बस स्टेशन बनेगा। परिसर में प्रकाश, पानी आदि की व्यवस्था के लिए नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को पत्र भेजा गया है। निगम की ओर से लोगों को गंगा घाटों तक पहुंचाने के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है।

सरयू नदी ने मचाई तबाही: तेज बहाव में समाए दो और मकान, अब ज्ञानकोल गांव के वजूद पर संकट

गोरखपुर, एजेंसी। बड़हलगंज ब्लॉक क्षेत्र के दियारा में बसे ज्ञानकोल गांव में सरयू नदी तबाही मचा रही है। लगातार गांवों के मकान नदी में समा रहे हैं। रविवार की भोर में धर्मेंद्र यादव और फूलचंद यादव के पक्के मकान नदी में समा गए। इससे पहले शनिवार की भोर में भी तीन मकान कट गए थे।

दो दिन में ही पांच घर कट जाने से ग्रामीणों में दहशत हैं। जानकारी के अनुसार, ज्ञानकोल गांव दो महीने से कटान प्रभावित है। बीते 60 दिनों में ज्ञानकोल गांव के आठ मकान और आधा दर्जन बिजली पोल कटकर सरयू नदी में समाहित हो चुके हैं।

सरयू नदी की कटान के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

लगातार नदी में कट रहे घर से अब गांव का अस्तित्व भी खतरे में आ गया है। गांव के बचे छह घर कटान की जद में हैं। रविवार की भोर में गांव के धर्मेंद्र यादव और फूलचंद यादव का मकान सरयू नदी में समा गया। नदी की तबाही का मंजर देख ग्रामीणों की रूह कांप गई है।

सिंचाई विभाग की ओर से कटान रोधी जो कार्य कराए जा रहे हैं, उससे अभी तक कोई फायदा नहीं दिख रहा है। प्रशासन ने कटान पीड़ितों को पटना के बाढ़ राहत शिविर में भेजना शुरू कर दिया है।

ताज के दीदार का है प्लान...चार्टर और फ्लाइट से पहुंचे आगरा, नई फ्लाइट्स की समय सारिणी हो रही तैयार

आगरा , एजेंसी। पर्यटक सीजन को पूरी तरह से भुनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके तहत आगरा आने वाली चार्टर और नियमित फ्लाइट की संख्या बढ़ाई जाएगी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण नई फ्लाइट्स को शामिल करते हुए समय सारिणी तैयार कर रहा है।

28 अक्तूबर से 31 मार्च तक आगरा में आधिकारिक तौर पर पर्यटक सीजन रहता है। इस दौरान विश्व धरोहर ताजमहल सहित सभी स्मारकों पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है।

हाल ही में त्योहार की छुट्टियों के कारण शनिवार को ही 50 हजार से अधिक पर्यटक ताजमहल पहुंचे थे। आगामी दिनों में पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है। चार्टर फ्लाइट से आगरा आने वाले वीआईपी पर्यटकों की संख्या भी हर साल तेजी से बढ़ रही है। पिछले सीजन में करीब 25 चार्टर फ्लाइट्स आई थीं, जबकि इस बार यह आंकड़ा 50 से अधिक हो सकता है।

वर्तमान में, आगरा हवाई अड्डे से मुंबई, बंगलूरू के अलावा हैदराबाद और अहमदाबाद के लिए सीधी फ्लाइट उपलब्ध है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के निदेशक विवेक शर्मा ने बताया कि पर्यटक सीजन के लिए फ्लाइट्स की नई समय सारिणी तैयार की गई है और कुछ नई एयरलाइंस को जोड़ा जा रहा है। चार्टर फ्लाइट की संख्या बढ़ने का भी अनुमान है।

आगरा में रात्रि प्रवास बढ़ाना सबसे बड़ी चुनौती

दुनियाभर से पर्यटक ताजमहल के दीदार की हसरत पाले भारत आते हैं। दिल्ली, आगरा और जयपुर गोल्डन ट्राइंगिल का हिस्सा हैं। हालांकि, ताजमहल देखने के बाद अधिकांश पर्यटक आगरा में रात्रि प्रवास नहीं करते। पर्यटन जगत के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। रात्रि प्रवास बढ़ाने के लिए शासन और प्रशासन द्वारा कोई खास आकर्षण भी विकसित नहीं किया गया है, जिसके कारण पर्यटक ताजमहल देखने के बाद रात्रि विश्राम के लिए जयपुर चले जाते हैं।

रणजी ट्रॉफी 2025:

बदल गया रणजी ट्रॉफी का इतिहास

● 90 ओवर में खत्म पूरा टेस्ट, 2 गेंदबाजों ने ली हैट्रिक

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी में खेला गया असम बनाम सर्विसेज मैच इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है. ये टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे छोटा मैच है, जो 90 ओवरों में खत्म हो गया.

रणजी ट्रॉफी 2025 के ग्रुप स्टेज में खेला गया असम बनाम सर्विसेज मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया. यह मैच 90 ओवरों में खत्म हो गया, जिससे ये मैच भारत के सबसे बड़े रेड-बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का सबसे छोटा मैच बन गया. इस मुकाबले में सर्विसेज ने असम को 8 विकेट से हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की. दोनों टीमें ग्रुप सी में शेमल हैं.

90 ओवरों में खत्म पूरा मैच, बना इतिहास

इस मैच (असम बनाम सर्विसेज) की खास बात ये रही कि पूरा मुकाबला 90 ओवरों में ही खत्म हो गया, जो ओवरों के लिहाज से रणजी ट्रॉफी के इतिहास का सबसे छोटा मैच है. इस मैच में कुल 540 गेंदें डाली गई, जबकि इससे पहले सबसे छोटा मैच 1962 में खेला गया था. दिल्ली और रेलवे के बीच हुआ वो मैच 547 गेंदों में खत्म हो गया था, वो मैच भी 2 दिन में खत्म हो गया था.

एक पारी में 2 गेंदबाजों ने ली हैट्रिक

असम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था, लेकिन सर्विसेज टीम के गेंदबाजों ने असम को 17.2 ओवरों में ऑलआउट कर दिया. फर्स्ट क्लास क्रिकेट मैच में पहली बार हुआ जब एक ही पारी में 2 गेंदबाजों ने हैट्रिक ली. असम की पारी 103 रनों पर ऑल आउट हो गई थी. सर्विसेज के गेंदबाज अर्जुन शर्मा ने 12वें ओवर में हैट्रिक ली. इसके बाद मोहित जांगरा ने अपनी लगातार 3 गेंदों पर 3 विकेट लिए, उन्होंने 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर पहला और फिर 17वें ओवर ओवर की पहली और दूसरी गेंद पर विकेट चटकाए. हालांकि पहली पारी में असम की गेंदबाजी भी अच्छी रही, उन्होंने सर्विसेज की टीम को 108 रनों पर समेट दिया था. इस पारी में सर्विसेज के इरफ़ान खान ने अर्धशतक (51) जड़ा था. रियान पराग ने 5 और राहुल सिंह ने 4 विकेट लिए थे.

दूसरी पारी में भी फ्लॉप असम के बल्लेबाज

असम की दूसरी पारी में भी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाए, पूरी टीम 75 रनों पर सिमट गई. इस पारी में अर्जुन शर्मा ने 4 विकेट लिए, जबकि डेनिश दास (10), रियान पराग (12), सुमित (25) को छोड़कर असम का कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाया. सर्विसेज की टीम को जीत के लिए 71 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे 13.5 ओवरों में हासिल कर टीम ने 8 विकेट से जीत दर्ज की. पहली पारी में 5 और दूसरी पारी में 4 विकेट लेने वाले सर्विसेज टीम के गेंदबाज अर्जुन शर्मा को प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया.

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, पैट कमिंस पहले एशेज टेस्ट से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ एशेज टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण पर्थ में खेले जाने वाले इस टेस्ट मैच से आधिकारिक रूप से बाहर हो गए हैं। स्टीवन स्मिथ 21 नवंबर से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे। ब्रिस्बेन में दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से शुरू होगा। इस टेस्ट में भी कमिंस के खेलने पर संशय है। इस महीने की शुरुआत में जब यह खबर आई कि सितंबर में कैरेबियाई दौरे से लौटने के बाद उन्हें तकलीफ हुई थी तब से ही कमिंस के एशेज के पहले टेस्ट में न खेल पाने की कयास लगाए जा रहे थे। सितंबर में लम्बर स्ट्रेस इंजरी का पता चलने के बाद से उन्होंने अबतक गेंदबाजी की शुरुआत नहीं की है। उन्होंने दौड़ना शुरू कर दिया है और सोमवार (26 अक्टूबर) को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक बयान में कहा गया कि उनके जल्द ही गेंदबाजी शुरू करने की उम्मीद है।

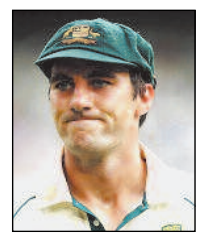

बैडमिंटन:

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, शाइना और दीक्षा ने स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली, एजेंसी। अंडर-15 बालिका एकल फाइनल में शाइना ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराया, जबकि दीक्षा ने हमवतन लक्ष्य राजेश को 21-16, 21-9 से हराकर अंडर-17 बालिका एकल का खिताब जीता। शाइना मणिमुथु और दीक्षा सुधाकर ने रविवार को अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते जिससे भारत बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप में अपना अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहा। अंडर-15 बालिका एकल फाइनल में शाइना ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराया, जबकि दीक्षा ने हमवतन लक्ष्य राजेश को 21-16, 21-9 से हराकर अंडर-17 बालिका एकल का खिताब जीता। इस तरह से भारतीय दल ने दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदकों के साथ महाद्वीपीय स्पर्धा का समापन किया जो चैंपियनशिप में उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने पिछली बार 2013 में दो स्वर्ण पदक जीते थे। तब सिरिल वर्मा ने अंडर-15 लड़कों का एकल खिताब और चिराग शेट्टी और एमआर अर्जुन ने अंडर-17 लड़कों का युगल खिताब जीता था। शाइना अंडर-15 वर्ग का खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय महिला एकल खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने पहले गेम में तोमिता पर दबदबा बनाया और फिर दूसरे गेम में जापान की खिलाड़ी की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए मैच 44 मिनट में जीत लिया। दीक्षा 27 मिनट तक चले फाइनल में अपना दबदबा कायम रखते हुए अंडर-17 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला एकल खिलाड़ी बनीं। जगशेर सिंह खंगगुरा तथा जंगजीत सिंह काजला और जननिका रमेश की मिश्रित युगल जोड़ी ने शनिवार को कांस्य पदक जीता था।

महिला विश्व कप :

बारिश की भेंट चढ़ा भारत-बांग्लादेश मैच

● अब हरमन ब्रिगेड की सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में 26 अक्टूबर को भारत का सामना बांग्लादेश से हुआ. लेकिन यह मैच बेनतीजा रहा. दरअसल बारिश के चलते यह मैच पूरा नहीं हो सका और आखिर में इसे रद्द करना पड़ा.

दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में खेला जा रहा था. मुकाबले में भारतीय टीम टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी कर रही थी. बारिश के चलते मुकाबला 43-43 ओवर्स का कर दिया गया. बाद में और भी ओवर कम किए गए. भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, जहां उसका सामना 30 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से होना है. दूसरी ओर बांग्लादेश टीम सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो चुकी थी. इस मुकाबले में भारतीय टीम ने अपनी प्लेइंग-11 में तीन बदलाव किए. विकेटकीपर उमा छेत्री को भी मौका मिला है, जिनका ये वूमेन्स ओडीआई में डेब्यू मैच है. राधा यादव और अमनजोत कौर भी इस मुकाबले में खेलने उतरी हैं. ऋचा घोष, स्नेह राणा और क्रांति गौड़ को रेस्ट दिया गया.

झ भारत और बांग्लादेश के बीच अब तक 8 वूमेन्स ओडीआई मैच खेले गए हैं. इस दौरान भारतीय टीम ने 6 मुकाबलों में जीत हासिल की है. जबकि बांग्लादेश को केवल एक मैच में जीत मिली. वहीं 1 मुकाबला टाई रहा. यानी आंकड़ों में भारतीय टीम का पलड़ा बांग्लादेश पर भारी रहा है.

चेस चैम्पियंस:

क्लच शतरंज चैंपियंस में हिस्सा लेंगे भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश, सामने होगी कड़ी चुनौती

सेंट लुईस, एजेंसी। यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को शानदार जीत दिलाने के बाद इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अमेरिका पहुंचने वाले गुकेश को अगर जीत हासिल करनी है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा क्योंकि विश्व रैंकिंग में पहले तीन स्थान पर काबिज खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे। भारतीय ग्रैंडमास्टर विश्व चैंपियन डी गुकेश को शुरू हो रहे 412000 डॉलर इनामी क्लच शतरंज चैंपियन मुकाबले में अब तक की सबसे कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को शानदार जीत दिलाने के बाद इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अमेरिका पहुंचने वाले गुकेश को अगर जीत हासिल करनी है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा क्योंकि विश्व रैंकिंग में पहले तीन स्थान पर काबिज खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का ब्रेक हाल ही में पिता बनने के बाद समाप्त हो गया है और वह खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। उनके अलावा अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना जैसे दमदार खिलाड़ी भी 18 गेम तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में चैंपियन बनने के दावेदारों में शामिल हैं। एक पखवाड़े के भीतर क्लच शतरंज के दूसरे टूर्नामेंट में बड़ी पुरस्कार राशि गांव पर लगी है। इसके विजेता को 120000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि मिलेगी।

पेनल्टी न मिलने पर विनिसियस जूनियर ने लामिन यामल पर निकाली भड़ास

नई दिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल के मैदान से अक्सर खिलाड़ियों के बीच बहस और कहासुनी की खबरें आती रहती हैं। ऐसा ही एक मामला रविवार को बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच खेले गए मैच में देखने को मिला। बार्सिलोना के लामिन यामल और रियल मैड्रिड के विनिसियस जूनियर एक दूसरे से पेनल्टी के मुद्दे पर भिड़ते नजर आए।

विवाद की शुरुआत लामिन यामल द्वारा बार्सिलोना के पेनल्टी बॉक्स के अंदर रियल मैड्रिड के विंगर, विनिसियस जूनियर पर हमला करने से हुई। रीप्ले में ब्राजीलियाई खिलाड़ी के पैर पर यामल के अचानक थपथपाने की पुष्टि हुई। मैड्रिड के प्रशंसकों को यकीन था कि यह पेनल्टी थी, लेकिन अधिकारी ने इसके विपरीत फैसला लिया।रियल मैड्रिड के फ्रांसीसी फ्रंटमैन ने जल्द ही बॉक्स के बाहर एक शानदार गोल दागा, लेकिन अधिकारियों द्वारा इसे ऑफसाइड घोषित किए जाने के बाद इसे रद्द कर दिया गया। जल्द ही काइलियन एम्बाप्पे ने एक और मौका लिया और मैच में पहला गोल किया।

मैड्रिड के गोल के तुरंत बाद बार्सिलोना ने बराबरी के लिए जोरदार प्रयास शुरू कर दिए। राफिन्हा के मैच में न होने के कारण, ज्यादातर हमले लामिन यामल की ओर निर्देशित थे। ऐसे ही एक मौके पर विनी की निराशा सामने आई, जब उन्होंने अपनी उस पेनल्टी पर गुस्सा निकाला जिसे वे पहले नकार चुके थे। यामल विंग से नीचे ड्रिबल करने की कोशिश कर रहे थे, तभी ब्राजीलियाई खिलाड़ी ने तेज़ी से हमला किया और स्पेनिश युवा खिलाड़ी के शरीर में एक जोरदार शॉट लगाकर गेंद को क्लियर कर दिया।

कैमरा मैड्रिड के विंगर पर गया। उन्हें कुछ कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए देखा गया, हालांकि उनका इशारा किसी खास खिलाड़ी की ओर नहीं था। लेकिन इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में विनिसियस चिल्लाते हुए नजर आ रहे हैं। एल क्लासिको में ऐसा अक्सर देखने को मिलता है।

यूथ एशियन गेम्स:

भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, युवा एशियाई खेलों में जीता स्वर्ण पदक

मनामा, एजेंसी। प्रीतिस्मिता की स्नैच की दो लिफ्ट अगर विफल नहीं हुई होतीं तो उनका कुल वजन ज्यादा होता। स्नैच में वह पहली ही लिफ्ट में सफल हो सकीं, उन्होंने इसकी भरपाई क्लीन एंड जर्क में पूरी कर ली और 87, 90 और 92 की तीन लिफ्ट उठाईं। भारतीय भारोत्तोलक प्रीतिस्मिता भोई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई यूथ खेलों में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने इन खेलों में देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया है। प्रीतिस्मिता ने क्लीन एंड जर्क और कुल वजन में यूथ का विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 44 किलो भार वर्ग में 158 किलो वजन उठाते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने स्नैच में 66 और और क्लीन एंड जर्क में 92 किलो वजन उठाया। राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली प्रीतिस्मिता ने 150 किलो वजन उठाया। प्रीतिस्मिता की स्नैच की दो लिफ्ट अगर विफल नहीं हुई होतीं तो उनका कुल वजन ज्यादा होता। स्नैच में वह पहली ही लिफ्ट में सफल हो सकीं, उन्होंने इसकी भरपाई क्लीन एंड जर्क में पूरी कर ली और 87, 90 और 92 की तीन लिफ्ट उठाईं।

दो वर्ष की आयु में पिता को खोया, मां ने दिया साथ

मोदीनगर में भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक विजय शर्मा के संरक्षण में तैयारियां कर रहीं प्रीतिस्मिता जब दो वर्ष की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था। उनका और उनकी बड़ी बहन का लालन-पालन उनकी मां ने किया। दोनों एथलेटिक्स करती थीं। वेटलिफ्टिंग कोच गोपाल दास ने दोनों को मां से वेटलिफ्टिंग में उतारने का अनुरोध किया। मां तैयार नहीं थीं, लेकिन कोच के समझाने पर वह राजी हुईं। प्रीतिस्मिता बीते वर्ष 40 भार वर्ग में विश्व यूथ चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं।

यूरोपियन क्लब कप शतरंज 2025 :

अर्जुन नें विन्सेंट केमर को दी मात

रोड्ज , ग्रीस, एजेंसी। विश्व कप से ठीक पहले हो रहे यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2025 के पांचवें राउंड में भारत के नंबर एक और विश्व के नंबर 4 खिलाड़ी अर्जुन एरीगैसी नें अलकलोइड टीम के लिए पहले बोर्ड पर अपने शानदार खेल का बरकरार रखते हुए आज नोवी बोर टीम से खेल रहे जर्मनी के विन्सेंट केमर को मात देते हुए अपनी टीम को एक बड़ी जीत दिलाने में मुख्य भूमिका निभाई । नोवी बोर से खेल रहे विदित गुजराती नें चीन के वे यी से ड्रॉ खेला तो अलकलोइड से खेल रहे अरविंद चितांबरम नें डेविड नवारा को ड्रॉ पर रोक लिया ।

हालांकि नोवी बोर को दूसरा झटका लगा जब अलकलोइड से खेल रहे चीन के यू यांगयी नें भारत के अनुभवी पेंटाला हरीकृष्णा को पराजित किया। वहीं सुपर चैस क्लब से खेल रहे विश्व चैम्पियन डी गुकेश को बाएगान्पेंदिक चैस क्लब से खेल रहे नीदरलैंड के अनीश गिरि नें ड्रॉ पर रोका , लगातार दो जीत के बाद गुकेश का यह पहला ड्रॉ था , सेंट लुईस क्लब में अपने खराब प्रदर्शन के चलते विश्व टॉप 10 से बाहर हुए गुकेश नें विश्व शीर्ष दस में एक बार फिर जगह बना ली है । वहीं महिला वर्ग में भारत की वर्तमान विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख नें एक और जीत दर्ज की उन्होने मोंटे कार्लो क्लब से खेलते हुए क्रेंना टीम से खेल रही आदेला वेलीकीक को पराजित करते हुए खुद को विश्व टॉप 10 के बेहद करीब पहुंचा दिया है ।

डिविलियर्स से भी खतरनाक उनका 10 साल का बेटा

जड़ी अपनी पहली हाफ सेंचुरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। एबी डिविलियर्स के 10 साल के बेटे ने अपना पहला अर्धशतक लगाया. डिविलियर्स की पत्नी ने स्टोरी शेयर की, जिसे डिविलियर्स ने री-शेयर किया. साउथ अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स जब इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते थे, तब भी हर गेंदबाज में उनका खौफ था.

आज भी वह किसी लीग क्रिकेट में खेलें तो गेंदबाज उनके सामने गेंदबाजी करने से डरते हैं, क्योंकि वह आज भी उसी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं. अब उनका 10 साल का बेटा उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए चल पड़े हैं. उनके बेटे ने अपने क्रिकेट करियर का पहला अर्धशतक जड़ा है, इसको लेकर डिविलियर्स की पत्नी ने एक पोस्ट शेयर किया जिसे उन्होंने री-शेयर किया. एबी डिविलियर्स की पत्नी डेनियल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने बेटे की फोटो लगाते हुए लिखा, दिल जीत लिया. हमारे बेबी एबी ने कल अपना पहला अर्धशतक लगाया. इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए एबी डिविलियर्स ने लिखा, गर्व का पल है, और ये पारी उन्होंने अपने नए 360 बैट से खेली. बता दें कि कुछ ही दिन पहले डिविलियर्स ने अपनी बैट कंपनी खोली है. एबी डिविलियर्स इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं. वह आईपीएल समेत दुनिया भर की बड़ी क्रिकेट लीग में भी धूम मचा चुके हैं.